लॉकडाउन का सबसे ज्यादा असर मजदूरों और गरीबों पर, पिछले 10 दिनों के अंदर हुए अलग-अलग हादसों में अब तक 99 प्रवासी मजदूरों की मौत, केवल आज एक ही हादसे में 24 कई मौत

भारत में कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित मरीजों की संख्या चीन से ज्यादा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोरोना वायरस की वजह से उपजे हालात में देशवासियों से आत्मनिर्भर बनने की अपील एक बॉलीवुड फिल्म वाह जिंदगी की प्रेरणा से

लॉकडाउन में राहत मिलने के बाद शराब की दुकानें सजीं और सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ी, शराब यूं ही नहीं है सरकार से लेकर व्यापारियों तक की पसंद, यहां समझिए इसका गणित

NEWS TODAY Update
www.newstodayupdate.in

युवराज न्यूज़ टुडे

RNI:- BIHHIN05409

राष्ट्रीय हिन्दी पाक्षिक

आपकी आवाज़

रजि० कार्यालय : अष्ठाना निवास, मठिया जिरात, मोतिहारी-845401

समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें- 9471005272

email: newstodaymth@gmail.com website : newstodayupdate.in

वर्ष : 06 अंक : 09 तिथि : 16 मई 2020 (मूल अंक) मूल्य : नि:शुल्क प्रधान संपादक : डा. राजेश अस्थाना – 9471005272, 8210595830

न्यूज़ टुडे लॉक डाऊन स्पेशल अंक

आर्थिक पैकेज 20 लाख करोड़ अंदर के पन्ने पर

लॉकडाउन का सबसे ज्यादा असर मजदूरों और गरीबों पर, पिछले 10 दिनों के अंदर हुए अलग-अलग हादसों में अब तक 99 प्रवासी मजदूरों की मौत, केवल आज एक ही हादसे में 24 कई मौत

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

कोरोना वायरस (कोविड–19) के प्रसार को रोकने के लिए पूरे देश में 24 मार्च से लॉकडाउन लागू है. इसका सबसे ज्यादा असर मजदूरों और गरीबों पर पड़ा है. उनके सामने न सिर्फ खाने–पीने का संकट खड़ा हो गया, बल्कि उन्हें कमाई का भी कोई जरिया नहीं दिख रहा है. इसी वजह से वह अपने–अपने गांवों की ओर पलायन कर रहे हैं. पलायन करने वाले मजदूर हादसों का शिकार भी हो रहे हैं. पिछले 10 दिनों के अंदर हुए अलग–अलग हादसों में अब तक 99 मजदूरों की मौत हो चुकी है और 93 मजदूर जख्मी हुए हैं.

★ आइए एक नजर डालते हैं इन हादसों पर ★

★ उत्तर प्रदेश के औरैया जिले में प्रवासी मजदूरों से भरी डीसीएम में शनिवार सुबह ट्रक ने टक्कर मार दी. इस हादसे में अब तक 24 मजदूरों की मौत हो गई. इस घटना में 35 लोग घ ायल हैं. घायलों को जिला अस्पताल व सैफई पीजीआई भेजा गया है. जिला प्रशासन मौके पर मौके पर मौजूद है.

★ वहीं, मध्य प्रदेश के गुना में फिर शुक्रवार देर हुए भीषण सड़क हादसे में 3 प्रवासी श्रमिकों की मौत हो गई. तीनों श्रमिक उत्तर प्रदेश के थे और मुंबई से अपने घर लौट रहे थे. ये श्रमिक एक पिकअप वाहन में सवार थे जिसे एक ट्रक ने टक्कर मार दी. हादसे में 15 मजदूर घायल हो गए हैं.

★ इससे पहले गुरुवार को गुना में ही हुए सड़क हादसे में 9 श्रमिकों की मौत हो गयी थी. श्रमिकों से भरे मिनी ट्रक में एक बस ने टक्कर मार दी थी. उस दुर्घटना में 7 श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गयी थी. एक्सीडेंट में करीब 55 मजदूर घायल भी हो गए थे.

★ उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में बुधवार देर रात 11:45 बजे रोडवेज बस ने पैदल जा रहे मजदूरों को कुचल दिया. इस

हादसे में 6 लोगों की मौके पर भी मौत हो गई और 4 मजदूर घायल बताए जा रहे हैं. मारे गए सभी मजदूर बिहार के गोपालगंज के रहने वाले थे. ये सभी पंजाब से पैदल घर लौट रहे थे.

★ 10 मई को मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में एक सड़क हादसे में 5 मजदूरों की जान चली गई. नरसिंहपुर जिले के मुंहवानी थाने के पाठा गांव के आस पास आम से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया. इस ट्रक में 20 मजदूर सवार थे, जो हैदराबाद से उत्तर प्रदेश एटा और झांसी जा रहे थे. 5 मजदूरों की मौत ट्रक में दबकर हो गई, जबकि 2 की हालत गंभीर बताई जा रही है.

★ महाराष्ट्र के औरंगाबाद में बीते गुरुवार देर रात हुए रेल हादसे में 16 प्रवासी मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई. हादसे में जान गंवाने वाले सभी 16 मजदूर मध्य प्रदेश के रहने वाले थे. इनमें से 11 शहडोल जिले और 5 उमरिया जिले के थे. ये सभी मजदूर औरंगाबाद से मध्य प्रदेश स्थित अपने गृह जनपद के लिए पैदल ही निकले थे. करीब 40–45 किलोमीटर पैदल चलने के बाद ये सभी थककर औरंगाबाद–जालना रेलवे ट्रैक पर सो रहे थे.

लॉकडाउन में राहत मिलने के बाद शराब की दुकानें सजीं और सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ी, शराब यूं ही नहीं है सरकार से लेकर व्यापारियों तक की पसंद, यहां समझिए इसका गणित

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

लॉकडाउन में राहत मिलने के बाद से जिस तरह शराब की दुकानें सजीं और सोशल डिस्टेंसिंग को धता बताते हुए जिस तरह लोगों का हुजूम वहां जुटा वह किसी से छिपा नहीं है। दुकानों पर तो कोई कार्रवाई नहीं हुई लेकिन राज्य सरकारों ने इसे खजाना भरने का जरिया जरूर बना लिया। वहीं होटल, रेस्टोरेंट, पब और बार की ओर से भी आग्रह किया जा रहा है कि उन्हें भी अपने यहां रखी शराब की बिक्री की अनुमति दी जाए। दरअसल होटल ही सबसे लंबे काल तक के लिए प्रभावित होने वाले हैं। लॉकडाउन खुलने के बाद भी उनकी स्थिति सामान्य होने में महीनों लग सकते हैं। ऐसे में शराब बिक्री के जरिए जहां वह स्टॉक खाली करना चाहते हैं, वहीं इससे आने वाली राशि वेतन भुगतान समेत दूसरे कामों में आ सकती है।

हर दिन 700 करोड़ रुपये अल्कोहल की बिक्री से मिलता है टैक्स

सामान्य दिनों में हर प्रकार के अल्कोहल की बिक्री से राज्य सरकारों को रोजाना लगभग 700 करोड़ रुपए बतौर टैक्स मिलते हैं। इस प्रकार पिछले 40 दिनों में राज्य सरकारों को 28, 000 करोड़ रुपए का नुकसान पहले ही हो चुका है। शराब उत्पादक कंपनियों के मुताबिक अल्कोहल की कुल बिक्री में लगभग 30 फीसद हिस्सेदारी होटल, रेस्टोरेंट, पब व बार की होती है।

नुकसान कम करने के लिए बार और रेस्टोरेंट को मिल सकती है बिक्री की इजाजत

इस नुकसान को कम करने के लिए राज्य सरकार रेस्टोरेंट और बार मालिकों को शराब की रिटेल बिक्री की इजाजत देने पर विचार कर सकती है। होटल व रेस्टोरेंट एसोसिएशन सरकार से इस प्रकार की मांग कर रही हैं। हालांकि होटल, रेस्टोरेंट व बार से अल्कोहल की बिक्री के लिए राज्यों को अपने आबकारी नियमों में बदलाव करना होगा। रेस्टोरेंट, पब और बार को बोतलबंद शराब बेचने का लाइसेंस नहीं दिया जाता है। उन्हें सिर्फ शराब पिलाने का लाइसेंस दिया जाता है।

शराब की बिक्री से मिलने वाला टैक्स देश की जीडीपी का एक फीसद

रेस्टोरेंट व बार की मांग के पक्ष में अल्कोहल बनाने वाली कंपनियां भी आ रही हैं। दरअसल स्टॉक नहीं निकलने पर इन कंपनियों के कारोबार पर असर पड़ेगा। कनफेडरेशन ऑफ इंडियन अल्कोहलिक बेवरेज कंपनीज (सीआइएबीसी) के महानिदेशक विनोद गिरी के मुताबिक देश भर में अल्कोहल का कारोबार 4 ला ख करोड़ से अधिक का है। टैक्स के रूप में सालाना लगभग 2.5 लाख करोड़ रुपए राज्यों की सरकारों को मिलते हैं। यह राशि देश के सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी के एक फीसद से अधिक है।

फाइव स्टॉर होटलों में है अच्छी खासी बिक्री

दिल्ली स्थित फाइव स्टॉर होटल ली मरेडियन के सीओओ तरुण ठुकराल ने बताया कि उनके होटल में अल्कोहल का कारोबार सालाना 5–6 करोड़ का है। बियर की एक्सपायरी होती है, इसलिए उन्हें बियर तो फेंकनी पड़ेगी, लेकिन वाइन व व्हिस्की की बोतल रखने में कोई दिक्कत नहीं है। वे इन बोतलों को बेच नहीं सकते हैं क्योंकि उन्हें शराब या बियर की बंद बोतल बेचने की इजाजत नहीं है।

रेस्टोरेंट से भी हो सकती है बोतलबंद शराब की बिक्री

नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया के सेक्रेटरी जनरल प्रकुल कुमार ने बताया कि रेस्टोरेंट में रखी हुई बोतलबंद शराब की होम डिलीवरी और रिटेल में बेचने की इजाजत को लेकर कई राज्यों की सरकार से उनकी बातचीत चल रही है। सरकार उन्हें रिटेल बिक्री की इजाजत दे देती है तो शराब के लिए दुकानों पर लगने वाली भीड़ के कम होने के साथ उनके स्टॉक भी निकल जाएंगे और सरकार को भी राजस्व का फायदा होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोरोना वायरस की वजह से उपजे हालात में देशवासियों से आत्मनिर्भर बनने की अपील एक बॉलीवुड फिल्म वाह जिंदगी की प्रेरणा से

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों लॉकडाउन 4 को लेकर देश को सम्बोधित किया था, जिसमें उन्होंने कोरोना वायरस की वजह से उपजे हालात में देशवासियों से आत्मनिर्भर बनने की अपील की थी। पीएम ने स्वदेशी को बढ़ावा देने पर जोर दिया था, ताकि आम आदमी, किसान और मजदूर को फायदा हो। अब पीएम मोदी की यह अपील एक बॉलीवुड फिल्म की प्रेरणा बनी है।

फिल्म का नाम है वाह जिंदगी

इस फिल्म में वेटरन एक्टर संजय मिश्रा और विजय राज लीड रोल्स में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी एक ऐसे शख्स के संघर्ष पर आधारित है, जो अपने अतीत से पीछा छुड़ाना चाहता है। इस आपाधापी में वो भारत में किसी चीज का उत्पादन शुरू करता है और इसके लिए उसे चीन के उत्पादों से मुकाबला करना पड़ता है। फिल्म का निद. शन एफटीआईआई से निकले दिनेश एस यादव करेंगे, जबकि अशोक चौधरी निर्माता हैं। अशोक इससे हले नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म टर्टल को सपोर्ट कर चुके हैं।

इस बारे में न्यूज टुडे टीम से बात करते हुए विजय राज ने कहा– स्क्रिप्ट का कॉन्सेप्ट अद्भुत है। साथ ही एक सोशल मैसेज भी देती है। मेक इन इंडिया कॉन्सेप्ट भारत को कई मामलों में आत्मनिर्भर बनाएगा। अगर हम इस विजन को पहले प्राप्त कर लते तो मुझे यकीन है कि इस वक्त हालात कुछ और होते।

अशोक चौधरी ने कहा– वाह जिंदगी के जरिए हम मनोरंजक के साथ उद्देश्यपूर्ण कहानी दिखाना चाहते थे, जो भारत में स्वदेशी की सार्थकता दिखाती हो। पिछले कुछ सालों से, हम इस बात का एहसास ही नहीं कर रहे थे कि हम अपने ही लोगों की कद्र नहीं कर रहे हैं। उनकी जगह चीन की सस्ती चीजों को ले रहे थे। प्रधानमंत्री की अपील के बाद उम्मीद है कि लोग इस फलसफे को जीवन जीने का तरीका बना लेंगे।

फिल्म को थिएट्रिकल रिलीज के हिसाब से बनाया जा रहा है, लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए निर्माताओं ने ओटीटी का विकल्प भी खुला रखा है।

भारत में कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित मरीजों की संख्या चीन से ज्यादा

भारत में कोरोना वायरस (कोविड–19) से संक्रमित मरीजों की संख्या चीन से ज्यादा हो गई है। पिछले 24 घंटे में 3970 मामले सामने आए हैं और 103 लोगों की मौत हो गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार भारत में अब तक 85,940 मामले सामने आ गए हैं और वहीं 2752 लोगों की मौत हो गई है। 53,035 एक्टिव केस हैं। 30,152 मरीज ठीक हो गए हैं।

वहीं चीन में अब तक लगभग 83 हजार मामले सामने आए हैं और 4600 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। गौरतलब है कि पिछले साल दिसंबर में चीन के वुहान में कोरोना का पहला मामला सामने आया था। इसके बाद वायरस ने पूरे विश्व को अपने जद में ले लिया।

देश में लागू लॉकडाउन और मजदूरों के पलायन के बीच कई बेहद दिल दहलाने वाली और मार्मिक तस्वीर, पलायन कर रहे एक मजदूर को खुद बैल के साथ गाड़ी में जुतना पड़ा

न्यूज टुडे एक्सक्लूसिव :

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

देश में लागू लॉकडाउन और मजदूरों के पलायन के बीच कई बेहद दिल दहलाने वाली और मार्मिक तस्वीरें सामने आ रही हैं. इंदौर में पलायन कर रहे एक मजदूर को खुद बैल के साथ गाड़ी में जुतना पड़ा. मजबूरी ये थी कि काम धंधा बंद होने के कारण घ र लौटना था और घर लौटने के लिए भी पैसे नहीं बचे थे. इसलिए एक बैल वो बेच चुका था और एक बैल के सहारे गाड़ी खींची नहीं जा सकती थी.

मजदूरों के पलायन के बीच ऐसी एक तस्वीर इंदौर के बायपास पर दिखी जिसे देखकर रोंगटे खड़े हो जाएं. चिलचिलाती धूप और तपती दोपहरी में एक मजदूर बैल गाड़ी को खींच रहा था. गाड़ी में एक तरफ बैल जुता था और दूसरी तरफ मजदूर. गाड़ी पर उसकी छोटी सी गृहस्थी और परिवार लदा था.

15 हजार का बैल 5 हजार में बेचा

बैल के साथ खुद को जोतने वाला ये श्रमिक राहुल है. वो महू का रहने वाला है. लेकिन रोजी–रोटी की तलाश में कुछ समय पहले इंदौर आ गया था. यहां उसने बैलगाड़ी खरीदी और हम्माली करने लगा. सब कुछ ठीक–ठाक ही चल रहा था कि इस बीच कोरोना के हमले ने इसकी पूरी जिंदगी ही तहस–नहस कर दी. देशभर में लॉक डाउन हुआ तो काम धंधा बंद हो गया.

कुछ दिन तो जैसे–तैसे कट गए लेकिन धीरे–धीरे घर में रखे अनाज के दाने और जेब में रखी पाई–पाई भी खत्म हो गयी. लाचार–मजबूर राहुल क्या करता. उसने परेशान होकर गाड़ी में जुते एक बैल को बेच दिया. मजबूरी में बैल भी गया और उसकी वाजिब कीमत भी नहीं मिल पायी. 15 हजार का बैल उसे 5 हजार में बेचना पड़ा.

भाभी ने भी खींची गाड़ी

थोड़े पैसे का जुगाड़ हुआ तो राहुल ने अपने घर लौटने के लिए बोरिया–बिस्तर बांधा. लेकिन लौटे कैसे. कहीं–कोई और साधन नहीं है और गाड़ी में भी एक ही बैल रह गया था. ऐसे हालात में उसने दूसरे बैल की जगह खुद को ही जोत लिया. गाड़ी पर सामान और परिवार को बैठाया और भारी कदमों से घर लौट पड़ा. राहुल थक गया तो रास्ते में कुछ देर उसकी भाभी बैल के साथ गाड़ी में जुती और फिर गाड़ी खींची.

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

ग्रीन एण्ड क्लीन संस्था 21 मार्च से अब तक ढाई लाख आबादी वाले शहर के 80 प्रतिशत क्षेत्र को कर चुकी है सैनिटाइज

अनुकरणीय पहल

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

ग्रीन ऐण्ड क्लीन संस्था ने 21 मार्च से नगर के गांधी चौक से सेनेटाईजेसन का जो कार्य आरम्भ किया वह लगातार जारी है। संस्था ने छिड़काव के साथ आम लोगो को लॉक डाउन पालन के लिये लगातार सावधान भी किया। संस्था ढाई लाख आबादी वाले शहर के 80 प्रतिशत क्षेत्र को सैनिटाइज कर चुकी है। संस्था में युवा अधिक संख्या में है कई अनुभवी अवकाश प्राप्त शिक्षक एवं अन्य समाजसेवी लोगों का भी सहयोग संस्था को मिल रहा है।

संस्था ने मजदूर दिवस के अवसर पर नगर परिषद के एक सौ से ज्यादा सफाई कर्मियों को सामूहिक रूप से सम्मानित किया। उनपर फूलों की वर्षा की एवं सम्मान का चादर ओढ़ाया और टीका लगाकर उन्हें सम्मानित किया। वही संस्था के एक योद्धा अमरेन्द्र सिंह ने कहा कि जहां सारे शहर के लोग घरों में बंद रह रहे है उस स्थिति में हमारे सफाई कर्मी जान हथेली पर लेकर हमारे लिए कोरोना से युद्ध लड़ रहे है। वे हमारी सुरक्षा के लिए हमेशा लगे रहे। दुसरा सम्मान मे संस्था ने नगर के सभी थाना के पुलिस को सामूहिक रूप से सम्मानित किया। सम्मानित होनेवालो मे काफी संख्या में पुलिस आधिकारि और महिला पुलिस थे। वही संस्था ने तीसरे चरण के सम्मान समारोह में मीडिया कर्मियों की सुधि ली। जिस मीडिया कर्मियों की सुधि न तो सरकार लेती है और न ही सामाजिक क्षेत्र के लोग लेते हैं जबकि पत्रकार इस संकट के दौर में अपने पत्रकारिता धर्म का लगातार पालन कर रहे हैं। पत्रकार आम लोगों को हर पल की जानकारी प्रिंट, टीवी और सोशल मीडिया के मध्यम मे दे रहे है।

ग्रीन एण्ड क्लीन संस्था ने वैसे तमाम पत्रकारों की सुधि ली और जिला परिषद के परिसर में आज सम्मान समारोह आयोजित कर आदर के साथ उन्हें सम्मानित किया। सभी सदस्यों ने पत्रकारों पर फूलों की बरसात की उन्हें टीका लगाया, माला पहनाया एवं सम्मान का चादर ओढ़ाया। संस्थापक अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार सिंह ने स्वागत मे कहा कि इस वैश्विक कोरोना वायरस संक्रमण के इस दौर में पत्रकारों की सेवा को भुलाया नहीं जा सकता। जहां सारे लोग घरों के अंदर कैद हैं उस दौर में प्रिंट से लेकर सोशल मीडिया के हमारे पत्रकार हर समाचार की जानकारी हम तक पहुंचाते रहे हैं। पत्रकार भी किसी का बेटा है, किसी के पति हैं ,किसी का भाई हैं और कोरोना का यह खौफ जो पूरे समाज में चारों तरफ है, उसको चीरते हुए पत्रकारों ने जो अपना फर्ज निभाया है उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम होगी।

वही अवकाश प्राप्त शिक्षक अमित सेन ने कहा कि पत्रकार लो. कतंत्र का चौथा स्तंभ है, और वैश्विक कोरोना संकट के दौर में मोतिहारी के पत्रकारों ने जो साहसिक कार्य किया है वह काबिले तारीफ है। संबोधन में एक पत्रकार ने कहा कि सरकारी कर्मी तथा पुलिस के लोग या सफाई कर्मी है उन सभी के साथ गवर्नमेंट है अगर उनको कुछ होता है तो उनको अच्छा खासा मुआवजा क्षतिपूर्ति भी मिल जाएगी लेकिन पत्रकारों के आगे पीछे कोई नहीं है यहां तक कि मीडिया घराना भी नहीं है और पत्रकारों ने जो अपनी सेवा दी है, तथा हर पल का जो खबर पहुंचाया है, वह काफी जोखिम भरा रहा है। पत्रकारों का सम्मान करके संस्था आज खुद सम्मानित हो रही है।

सम्मानित करने वालों में अमित सेन, संस्था के फाउंडर हरी सिंह, अमरेंद्र सिंह, सीएससी सेंटर के डायरेक्टर ओम वर्मा, आलोक कुमार समेत दर्जनों समर्पित योद्धा थे जो लोग दिन रात छिड़काव के कार्य में लगे हुए हैं। वही सम्मानित होने वाले पत्रकारों में मुख्य रूप से वरिष्ठ पत्रकार अशोक वर्मा, डा.राजेश अस्थाना, कैलाश गुप्ता, राजन दत्त द्विवेदी, सुदिष्ठ नारायण ठाकुर, रिशु वर्मा, अजीत कुमार वर्मा कन्हैया,प्रासर प्रभात, विनीत श्रीवास्तव, गौरी शंकर प्रसाद, रितेश वर्मा, राकेश कुमार, अरविंद कुमार, सचिन पाण्डेय, रवि गुप्ता, प्रभात रंजन, आलोक वर्मा, रिंकू गिरी, मो शोहेब सहित सभी समाचार पत्र, टीवी एवं सोशल मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बिहार में एक-एक थानेदार की खंगाली जा रही कुंडली, भ्रष्ट अफसरों पर लिया गया है कड़ा फैसला

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

बिहार में दबंगई के लिए बदनाम थानेदारों की छवि बदलने की पहल की जा रही है। अच्छे आचार–व्यवहार वाले थानेदार सम्मा. नित होंगे और भ्रष्ट–बदनाम थानेदारों की काउंसिलिंग होगी। एक मौका दिया जाएगा। नहीं सुधरे तो हटा दिया जाएगा। पुलिस मुख्यालय की मानें तो एक–एक थानेदार की कुंडली खंगाली जाएगी।

थानेदारों की छवि का कराया जाएगा मूल्यांकन

पुलिस मुख्यालय ने बिहार के 1100 थानेदारों की कुंडली खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। खास यह है कि एक–दो नहीं, बल्कि तीन माध्यम से थानेदारों की छवि का मूल्यांकन कराया जाएगा। इसके आधार पर प्रत्येक जिले से पांच उम्दा और पांच लचर काम करने वाले थानेदारों को चिह्नित किया जाएगा। पांच पैमाने पर मॉनीटरिंग रिपोर्ट बनाने के निर्देश दिए गए हैं। इनमें पुलिस महकमे के अलावा दो अन्य माध्यमों को जिम्मेदारी दी गई है। मूल्यांकन में मुख्य रूप से कोरोना संकट के दौरान पुलिस की सामाजिक सरोकार से संबंधित छवि पर विशेष फोकस रहेगा।

1500 से अधिक थाने और ओपी हैं बिहार में

बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के न्याय के साथ विकास कार्यक्रम के तहत पुलिस यह नवाचार कर रही है। बिहार में 1500 से अधिक थाने और ओपी हैं। इनमें थानों की संख्या करीब 1100 है। कोशिश है कि पुलिस के खिलाफ बढ़ती नकारात्मक धारणा में सुधार किया जाए। जनता के बीच पुलिस के मानवीय चेहरे को उभारा जाए। खासकर महिलाओं, बच्चों और अन्य कमजोर वर्गों में जागरूकता पैदा की जाए। इसके विशेषज्ञों को लगाया गया है।

डीजी टीम करेगी मूल्यांकन

जिलों से आई रिपोर्ट के मूल्यांकन की जिम्मेवारी पुलिस मुख्यालय स्तर पर डीजी टीम को दी जाएगी। उम्दा काम करने वाले थानेदारों को जहां प्रदेश स्तर पर सम्मानित किया जाएगा, वहीं लचर थानेदारों को पुलिस मुख्यालय बुलाकर काउंसिलिंग का प्रावधान किया गया है।

पांच बिंदुओं पर मांगी रिपोर्ट

1. कर्तव्यनिष्ठा, 2. छवि, 3. सेवाभाव, 4. आम जनता खासकर कमजोर, शोषित दलित और अकलियतों के बीच संदेश, 5. जनप्रतिनिधियों के प्रति व्यवहार।

लॉकडाउन में स्वच्छता अभियान को पलीता लगा रहे आवारा पशु, सामाजिक संस्था ग्रीन एंड क्लीन के तत्वावधान में कई पार्षदों और आम लोगों ने नगर परिषद को मांगपत्र सौंपा

सम्राट, संवाददाता

वैश्विक महामारी कोरोना के कहर से बचने के लिए केंद्र सरकार, राज्य सरकार, नगर परिषद से लेकर सामाजिक संस्थाएं तक जुटी हुई हैं। लॉकडाउन के साथ–साथ कई ऐहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं, वहीं स्वच्छता पर भी पूरा ध्यान दिया जा रहा है। लेकिन इस पूरी कसरत पर आवारा पशु पानी फेर दे रहे हैं। शहर का ज्ञान बाबू चौक हो या गांधी चौक, चांदमारी हो या बलुआ हर जगह आवारा पशु गंदगी फैला कर साफ–सफाई अभियान को मुंह चिढ़ा रहे हैं। शहरवासियों को डर है कि इनकी वजह से स्थिति भयावह न हो जाए। बुधवार को सामाजिक संस्था ग्रीन एंड क्लीन के तत्वावधान में कई पार्षदों और आम लोगों ने इस मसले को लेकर नगर परिषद को मांगपत्र सौंप कर आवारा पशुओं से तुरंत निजात दिलाने की मांग की। ऐसा नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई।

उल्लेखनीय है कि कोरोना महामारी को देखते हुए शहर में साफ सफाई की व्यवस्था पुख्ता कर दी गई है। नगर परिषद के कर्मचारी प्रतिदिन अपना वाहन निकालते हैं। वे शहर के प्रत्येक हिस्से में जाते हैं और गंदगी को उठाते हैं। वहीं ग्रीन एंड क्लीन जैसी सामाजिक संस्थाएं शहर में सेनेटाइजर का छिड़काव करने, मास्क उपलब्ध कराने, हैंड सेनेटाइजर और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव करने में लगी हैं। इसके सदस्य स्वच्छता पर भी ध्यान दे रहे हैं और जागरूकता फैला रहे हैं। नगर परिषद और सामाजिक संस्थाओं का काम तब निरर्थक साबित हो जाता है, जब आवारा पशु स्वच्छता को गंदगी में तबदील कर देते हैं। इन दिनों सड़कों पर आवारा पशुओं की अचानक बाढ़ आ गई है।

मोहल्लों और मुख्य सड़कों पर आवारा गायों की संख्या अचानक से बढ़ गई है। लॉकडाउन में पशुपालकों को अपनी गायों का विशेष ध्यान रखना चाहिए पर वे ऐसा नहीं कर रहे हैं। उन्होंने गायों को बाड़ में रखने के बजाय खुला छोड़ दिया है। ये गायें गंदगी और कूड़ा स्थलों पर भोजन तलाशती हैं। पेट भर भोजन नहीं मिलने पर पॉलीथिन व अन्य वस्तुएं खा ले रही हैं। इन्हीं गायों से सुबह– सुबह दूध दोहा जाता है। फिर इसी दूध को लोग पीते हैं। अब खुद अंदाजा लगाइए कि इस दूध को पीने वाला किन–किन बीमारियों की चपेट में आएगा। सुबह दूध दुहने के बाद गायों को खुला छोड़ देना सीधा–सीधा आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है। इसके अलावा बड़ी संख्या में ऐसी भी गायें हैं जो दूध नहीं देतीं और वे हमेशा सड़कों पर ही विचरती रहती हैं। वहीं, सुअरों की वजह से भी शहर में गंदगी फैली रह रही है। इनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। जानपुल हो या स्टेशन रोड, मिस्कौट हो या चांदमारी के मोहल्ले, हर जगह आवारा सुअरों का बोलबाला है। गांधी चौक को तो मानों सुअरों ने अपना आराम स्थल बना लिया है। कूड़े के ढेर पर वे हमेशा लोटते रहते हैं। इन्हें देख कर ऐसा लगता है कि मानों वे सफाई कर्मचारियों चिढ़ा रहे हों कि तुम चाहे कुछ भी कर लो वे ऐसे ही गंदगी फैलाएंगे। लॉकडाउन में कमोबेस यही हाल कुत्तों का भी है। कुत्तों को इनके मालिकों ने सड़कों पर छोड़ दिया है। भोजन की तलाश में वे इधर– उधर मंडराते रहते हैं। कई बार तो वे राहगीरों पर हमला कर देते हैं। चौक चौराहों पर गंदगी के ढेर पर ऐसे कई दृश्य देखे गए कि कभी कुत्ते, सुअर के मुंह से खाने के लिए गंदगी छीन रहे हैं तो कभी सुअर, गाय और कुत्तों के मुंह से। कुल मिला कर शहर के लोगों का जीवन नारकीय हो गया है। आवारा पशुओं ने गंदगी को हर जगह फैला दिया है। बदबू से बुरा हाल है।

डेढ़ माह से शहर को सेनेटाइज और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक कर रही सामाजिक संस्था ग्रीन एंड क्लीन के संस्थापक अध्यक्ष और नगर पार्षद अमरेंद्र सिंह कहते हैं कि हम लोग लगातार पशुपालकों से अनुरोध कर रहे हैं कि वे अपने पशुओं को तय स्थान पर ही रखें। उन्हें खुला न छोड़ें। लॉकडाउन में विशेष ध्यान रखना है। लेकिन इसका असर नहीं हो रहा है। जो भी स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है वो सब बेकार साबित हो रहा है। नगर परिषद को अब सख्ती बरतने की आवश्यकता है। ऐसा नहीं किया गया तो अब जनता सड़कों पर उतर जाएगी. नगर परिषद को मांग पत्र सौंपने वालों में रिटायर शिक्षक अमित सेन, हरीश कुमार, अजय वर्मा, सुधीर कुमार गुप्ता, संजय कुमार उर्फ टुन्ना, आलोक रंजन, वार्ड संख्या 5 के पार्षद पति हरीश कुमार, वार्ड 9 के पार्षद विजय जायसवाल, विवेक श्रीवास्तव, अर्जुन कुमार, विनय स्वर्णकार आदि प्रमुख थे।

कोरोना योद्धा डॉक्टर समेत १५० स्वास्थ्य कर्मियों को चादर ओढ़ाकर और फूलों की वर्षा कर सम्मानित किया गया

सम्राट, संवाददाता

लॉक डाउन आरंभ होने के साथ नगर की समाजिक संस्था ग्रीन एंड क्लीन ने न सिर्फ खुद सफाई का कमान संभाला बल्कि कोरोना फाइटर्स जितने भी सेक्शन के लोग हैं सभी को बारी बारी से सम्मानित किया। संस्था ने सबसे पहले 1 मई मजदूर दिवस के दिन नगर परिषद के तमाम सफाई कर्मियों को सम्मा. नित किया दूसरे चरण में सुरक्षा में लगे पुलिसकर्मी सम्मानित किया, तीसरे चरण में मीडिया कर्मियों को समूह में सम्मानित किया गया और 15 मई को चौथे चरण में सदर अस्पताल परिसर में आयोजित सम्मान समारोह मे संस्था ने लगभग डेढ़ सौ डॉक्टर समेत तमाम चिकित्सा सेवकों को सम्मानित किया।

सम्मानित होनेवालो में तमाम डाक्टर,कंपाउंडर, नर्स एवं अन्य स्टाफ थे। बड़ा ही रमणीकऔर प्रभावशाली दृश्य था। अस्पताल परिसर में तीन चरणों में सभी को सम्मानित किया गया।प्रथम चरण में डॉक्टरों का समूह था, जिनपर फूल की बरसात की गई, चादर ओढ़ाया गया और तालियों से उन्हें सम्मानित किया गया। दूसरे सेक्शन में स्टाफ थे जिसमें कंपाउंडर नर्स आदि तमाम लोग थे उनको भी उसी प्रक्रिया से सम्मानित किया गया।तीसरे चरण में सफाई कर्मी तथा अन्य स्टाफ थे, जो दिन रात सेवा में लगे हुए हैं ,उनको सम्मानित किया गया। संस्था प्रमुख अमरेन्द्र सिंह ने खुद पहले माला पहनाकर सम्मानित करने का कार्य शुरू किया। अपने संबोधन में अमरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि संस्था तमाम कोरोना योद्धाओं को सम्मानित करके खुद सम्मानित महसूस कर रही है।

सम्मानित करने वाले मुख्य रूप से अमित सेंन,आलोक रंजन, संजय वर्मा,सुधीर गुप्ता,विवेक श्रीवास्तव, विनोद जायसवाल, विनय स्वर्णकार, अजय वर्मा, चंचल कुमार , विनय उपाध्याय, अर्जुन कुमार, राजीव भारद्वाज आदि थे। सभी लोगों ने बड़े उमंग और उत्साह के साथ और आत्मीय स्थिति में सभी को सम्मानित किया।सम्मानित होने के बाद अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ अनिल कुमार ने अपने संबोधन में आयोजक संस्था के प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि जीवन में यह जो समूह में चिकित्सकों के साथ साथ टोटल मेडिकल स्टाफ को सम्मानित किया गया है, यह एक यादगार कार्यक्रम है। निश्चित रूप से यह सम्मान सेवा कार्य को बढ़ाएगा। उन्होने कहा कि आपने हम लोगों के गति को और बढ़ा दिया और अब नए जोश और उमंग के साथ अपने सेवा को भविष्य मे करते रहेंगे। कई महिला मेडिकल कर्मियों ने भी संस्था के प्रति आभार प्रकट किया।

सुगौली स्टेशन पर तमिलनाडु के तिरूवल्ली से चली श्रमिक स्पेशल ट्रेन यात्रियों ने जमकर बवाल काटा

सम्राट, संवाददाता

सुगौली स्टेशन पर यात्रियों ने शुक्रवार को जमकर बवाल काटा। जानकारी के अनुसार मंगलवार को तमिलनाडु के तिरूवल्ली से चली श्रमिक स्पेशल ट्रेन संख्या 06123 के यात्रियों ने सुगौली स्टेशन पर ट्रेन को बगैर स्टॉपेज के अधिक समय तक रोके जाने एवं नाश्ता वगैरह की सुविधा नहीं मिलने पर हंगामा किया।

ट्रेन शुक्रवार को दिन के 10:09 बजे सुगौली स्टेशन पर पहुंची थी। भूख और प्यास से हलकान यात्री ट्रेन को शीघ्र खोलने की मांग कर रहे थे। स्थानीय स्टेशन पर पुलिस प्रशासन का इंतजाम नाकाफी था। जिससे ट्रेन के यात्री स्टेशन के बाहर से खाने पीने के सामानों को खरीदने के लिए टूट पड़े। यात्रियों का कहना था कि तमिलनाडु में खाने–पीने समेत जरूरत के सभी सामान की आपूर्ति कि गई। लेकिन ट्रेन जब बंगाल में आई तो वहां एक केला और पानी का बोतल दिया गया। वहीं ट्रेन के बिहार में घुसते ही बदइंतजामी का आलम ये रहा कि सुगौली स्टेशन पहुंचते–पहुंचते यात्री भूख प्यास से हलकान हो चुके थे।

यात्रियों ने बताया कि बिहार में उन्हें खाने पीने के लिए कुछ भी नहीं दिया गया। नतीजा ये हुआ कि यात्री स्टेशन के बाहर खाने पीने की सामान खरीदने के लिए विवश होना पड़ा। स्टेशन पर पुलिस नदारद दिखी। भीड़ को देख रेल थानाध्यक्ष प्लेटफार्म पर यात्रियों को समझाया। हालांकि ट्रेन के यात्रियों ने बताया कि तिरूवल्ली में ट्रेन पर सवार होते समय सभी यात्रियों की चिकित्सीय जांच हुई थी। फिर भी यात्रियों का ट्रेन से उतर कर स्टेशन से बाहर आना–जाना कोरोना संकटकाल में खतरनाक है।

माँ नरदेवी प्रोडक्शन द्वारा पूरे शहर में तैनात पुलिसकर्मियों के पूरे बॉडी को किया जा रहा है सेनेटाइज

रिंकू गिरी,
संवाददाता

आज जहां हर कोई हमारे करोना योद्धाओं को अपने अपने तरीके से मदद करने में लगे हैं वही कोरोना वायरस जैसे वैश्विक महामारी मे बेहतर कार्य करने वाले सभी सरकारी पदाधिकारियों व कर्मियों को माँ नरदेवी प्रोडक्शन द्वारा संस्थापक नीरज सिन्हा के नेतृत्व में पूरे शहर में तीन टुकड़ियों में बंटकर 4जहां भी चेक पोस्ट हैं वहाँ तैनात पुलिसकर्मी जो दिन भर अपनी ड्यूटी दे रहे हैं उनके पूरे बॉडी को सेनेटाइज कर उनके मनोबल को बढ़ाने का काम कर रही है।

इस अनुकरणीय सत्य स्वरूप, पंकज, राजन, सन्नी, रुमित रौशन तथा राजीव अपना पूर्ण सहयोग दे रहे हैं। इस नेक कार्य में सहयोग करने के लिए जिला पुलिस ने टीम के सदस्यों का आभार प्रकट किया।

कोरोना वायरस की बचाव व चमकी बुखार की रोकथाम के लिए अपनी जान को जोखिम में डालकर अपने कर्तव्य पालन में तत्पर हैं आंगनबाड़ी सेविका

अफजल आलम
न्यूज टुडे,

चकिया सीडीपीओ कार्यालय में बुधवार को प्रखंड की सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं के बीच सैनिटाइजर का वितरण विधायक श्यामबाबू यादव ने किया। सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री के सौजन्य से यह सैनिटाइजर उपलब्ध कराया गया था।

इस दौरान शारीरिक दूरी का पालन करते हुए विधायक श्री यादव ने कहा कि कोरोना वायरस की बचाव व चमकी बुखार की रोकथाम के लिए आंगनबाड़ी सेविका दिन रात अपनी जान को जोखिम में डालकर अपने कर्तव्य पालन में तत्पर हैं एवं करोना को हराने में लगी हैं।

उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी सेविका पंचायतों में चौपालों को आयोजित कर जागरूकता अभियान में सहयोग का दायित्व निभा रही हैं। गरीब बस्तियों में जाकर चमकी बुखार के बारे में लोगों को जागरूक कर रही हैं। क्वॉरेंटाइन सेंटर में जहां महिलाएं होती है वहां भी आंगनबाड़ी सेविका सहयोग कर रही हैं।

इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष रोहित सिंह, सुधीर मिश्रा, विशाल कुमार, नीरज सिंह मनीष गुप्ता मौजूद थे।

NEWS TODAY Update — युवराज न्यूज़ टुडे आपकी आवाज — RNI:- BIHHIN05409

News Today Digital Paper Tarrif

Back Page Full	: 27.94 X 43.18 cm	= 55000.00
Back Page Half	: 13.97 X 21.59 cm	= 30000.00
Back Page Quarter	: 06.98 X 10.79 cm	= 20000.00
Complimentery Ad	: 04.00 X 06.00 cm	= 5000.00

Inner Page 25% less of all Tarrif

Portal Tarrif

PARTICILAR	DAILY (MIN. 15 DAYS)	MONTHLY	YEARLY
HEADER :	2000	50,000	5,00,000
UNDER NEWS :	1000	25,000	2,50,000
SIDE, MIDDLE & OTH :	1500	35,000	3,50,000

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

Yuvaraj Media & Entertainment's NEWS TODAY Update — A National News Portal — www.newstodayupdate.in

NEWS TODAY Update newstodayupdate.in — Web News Portal: www.newstodayupdate.in
न्यूज़ टुडे — राष्ट्रीय हिन्दी मासिक पत्रिका
Yuvaraj Media & Entertainment — An Ideal Film Production
बस एक क्लिक कीजिए
देश दुनिया की खबर के साथ अपनी खबर भी देखिए
www.newstodayupdate.in
A Fast Growing Web News Portal
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

NEWS TODAY Update — www.newstodayupdate.in
Yuvaraj Media & Entertainment
Regd. No.: 20469, Western India Film Producers Association, Mumbai.
Regd. Off.: Asthana Niwas, Mathiya Zirat, Motihari-845401, Bihar.
Mumbai Off.: B-3-6, 2-4, Sumangal Apartment, Sector-3, Vashi, Navi Mumbai-400703.
Delhi Off.: RZ/G 129B, Mahabir Enclave, Part 1, Old Som Bazar Behind Delhi Porperties, Dashrathpuri, New Delhi - 110045.

UB M/s UTTAR BIHAR CONSTRUCTION COMPANY
Sports Club Road, Chatauni, Motihari, East Champaran

Shekhar Fuel
Patahi, East Champaran
Managing Director
Sanjay Singh

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

रजि0 कार्यालय :
अष्ठाना निवास,
मठिया जिरात,
मोतिहारी-845401
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें-
9471005272

आर्थिक पैकेज 20 लाख करोड़

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के विशेष राहत पैकेज का ऐलान किया, हर वर्ग को मिलेगी राहत

न्यूज टुडे एक्सक्लूसिव :

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के विशेष राहत पैकेज का ऐलान किया है. ये 20 लाख करोड़ सूक्ष्म, लघु, मंझोले, उद्योग यानी एमएसएमई के लिए हैं. ये पैकेज उस श्रमिक, किसान के लिए है जो हर हालात, हर मौसम में दिन रात देशवासियों के लिए परिश्रम कर रहे हैं, ये ईमानदारी से टैक्स भरने वाले मध्यम वर्गीय लोगों के लिए है, उद्योग जगत के लिए है.

आज बुधवार को होंगी राहत पैकेज के विस्तार से जुड़ी सभी घोषणाएं

पीएम मोदी ने कहा कि 13 मई से वित्त मंत्री इस आर्थिक पैकेज की विस्तार से जानकारी देंगी. इस पैकेज के साथ अब देश का आगे बढ़ना अनिवार्य है. पीएम मोदी ने कहा, 'हाल में सरकार ने कोरोना संकट से जुड़ी जो आर्थिक घोषणाएं की थीं, जो रिजर्व बैंक के फैसले थे, और आज जिस आर्थिक पैकेज का ऐलान हो रहा है, उसे जोड़ दें तो ये करीब–करीब 20 लाख करोड़ रुपए का है. ये पैकेज भारत की जीडीपी का करीब–करीब 10 प्रतिशत है. इन सबके जरिए देश के विभिन्न वर्गों को, आर्थिक व्यवस्था की कड़ियों को, 20 लाख करोड़ रुपए का संबल मिलेगा, सपोर्ट मिलेगा.'

(1) किसानों के लिए क्या होगा खास

पीएम ने कहा, 'पिछले 6 साल में जो रिफॉर्म हुए, उनके चलते आज भारत की अर्थव्यवस्था अधिक सक्षम व समर्थ बनी है. रिफॉर्म्स के दायरे को व्यापक करते हुए नई हाइट पर ले जाना है. ये रिफॉर्म खेती से भी जुड़े होंगे ताकि किसान सशक्त हो और भविष्य में कोरोना संकट जैसे किसी अन्य आपदा में खेती के कामकाजों पर कम असर हो. समय की मांग है कि भारत हर स्पर्धा में जीते, ग्लोबल सप्लाई चेन में बड़ी भूमिका निभाए. इसे देखते हुए आर्थिक पैकेज में कई प्रावधान हैं.

एक्सपर्ट्स का कहना है कि सरकार, पीएम किसान सम्मान योजना के विस्तार पर फैसला हो सकता है. इसके अलावा किसानों की आमदनी बढ़ाने को लेकर भी ऐलान होने की उम्मीद है.

(2) छोटे उद्योगों के लिए आ सकती है सौगात

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सिद्ध करने के लिए, इस पैकेज में लैंड, लेबर, लिकवीडिटी और लॉ सभी पर बल दिया गया है. ये आर्थिक पैकेज हमारे कुटीर उद्योग, गृह उद्योग, हमारे लघु–मंझोले उद्योग, हमारे एमएसएमई के लिए है. जो करोड़ों लोगों की आजीविका का साधन है, जो आत्मनिर्भर भारत के हमारे संकल्प का मजबूत आधार है. ये आर्थिक पैकेज देश के उस श्रमिक के लिए है, देश के उस किसान के लिए है जो हर स्थिति, हर मौसम में देशवासियों के लिए दिन रात परिश्रम कर रहा है.

(3) नौकरी पेशा के लिए भी हो सकती है बड़ी घोषणा

ये आर्थिक पैकेज हमारे देश के मध्यम वर्ग के लिए है, जो ईमानदारी से टैक्स देता है, देश के विकास में अपना योगदान देता है.

(4) इंफ्रास्ट्रक्चर पर इन्वेस्टमेंट बढ़ेगा

राहत पैकेज में इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च बढ़ेगा. लिहाजा देश में विदेशी कंपनियां भी तेजी से निवेश कर सकती है.

(5) प्लाई चेन को आधुनिक बनाएंगे

पीएम ने कहा कि हमारे पास साधन, सामर्थ्य है, बेस्ट टैलेंट है. हम बेस्ट प्रॉडक्ट बनाएंगे, क्वालिटी बेहतर करेंगे, सप्लाई चेन को आधुनिक बनाएंगे. हम ऐसा कर सकते हैं और जरूर करेंगे.

पीएम ने कच्छ भूकंप का उदाहरण देते हुए कहा कि भूकंप में कच्छ पूरी तरह तबाह हो गया था लेकिन कच्छ फिर बढ़ चला. यही भारतीयों की क्वालिटी है. ठान लें तो कोई राह मुश्किल नहीं. आज चाह भी है राह भी है. यह है भारत को आत्मनिर्भर बनाना. भारत की संकल्प शक्ति ऐसी है कि हम आत्मनिर्भर बन सकते हैं.

एक्सपर्ट्स का कहना है कि इससे विदेशी कंपनियां भारत में निवेश बढ़ा सकती है. लिहाजा भारत में नौकरियों के अवसर बनेंगे. आत्मनिर्भर भारत की भव्य इमारत 5 खंभों इकोनॉमी, इंफ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी ड्रिवन व्यवस्था, डेमोग्राफी, डिमांड पर खड़ी है. डिमांड बढ़ाने और इसे पूरा करने के लिए सप्लाई चेन के हर स्टेकहोल्डर का सशक्त होना जरूरी है. सप्लाई चेन को हम मजबूत करेंगे.

कोरोना लंबे समय तक हमारी जिंदगी का हिस्सा रहेगा, हमने कोरोना आपदा को अवसर में बदला : पीएम

कोरोना वायरस महामारी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार रात राष्ट्र के नाम संबोधन में लॉकडाउन को लेकर अहम ऐलान किया. पीएम मोदी ने कहा कि लॉकडाउन 4.0 पहले से बिल्कुल अलग और नए नियमों वाला होगा. पीएम मोदी ने कहा कि 'लॉकडाउन का चौथा चरण पूरी तरह नए रंग रूप वाला और नए नियमों वाला होगा. राज्यों से मिल रहे सुझावों के आधार पर लॉकडाउन 4 की जानकारी आपको 18 मई से पहले दी जाएगी.'

कोरोना लंबे समय तक हमारी जिंदगी का हिस्सा रहेगा

राष्ट्र के नाम संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, 'वैज्ञानिक बताते हैं कि कोरोना लंबे समय तक हमारी जिंदगी का हिस्सा बना रहेगा, लेकिन हम अपनी जिंदगी को इस हद तक ही नहीं सिमटने देंगे. हम मास्क पहनेंगे और दो गज दूरी का पालन करेंगे, लेकिन लक्ष्यों को प्रभावित नहीं होने देंगे

पीएम मोदी ने कहा कि जब मैंने देश से खादी खरीदने का आग्रह किया था और कहा था कि आप देश के हैंडलूम वर्कर्स को सपोर्ट करें तो तेजी से यह ऊंचाइयों पर पहुंचा और आपने उसे ग्लोबल ब्रांड बना दिया.

हमें लोकल मार्केट पर गर्व करना चाहिए

पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना ने हमें लोकल मार्केट चेन का महत्व भी समझा दिया है. लोकल केवल जरूरत नहीं बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी है. लोकल को हमें अपना जीवन मंत्र बनाना ही होगा. आपको जो ग्लोबल ब्रांड्स दिखते हैं, वो भी कभी लोकल थे. लेकिन जब वहां के लोगों ने उन्हें अपनाया और उन्हें स्वीकारा तो वे लोकल से ग्लोबल बन गए. ऐसे में आज से हर भारतवासी को लोकल के लिए वोकल बनना है. आज से हर भारतवासी को न सिर्फ लोकल प्रोडक्ट खरीदने हैं बल्कि उनपर गर्व भी करना है.

हमनें कोरोना आपदा को अवसर में बदला

यह आपदा भारत के लिए एक संकेत, एक संदेश और एक अवसर लेकर आई है. इससे पहले भारत में एक पीपीई किट नहीं बनती थी और N95 मास्क का नाममात्र उत्पादन होता था. लेकिन आज भारत में 2–2 लाख पीपीई किट और एन95 मास्क का उत्पादन हो रहा है. यह आपदा को अवसर में बदलने से हुआ. भारत के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के ऐसा हो सका.

21वीं सदी हिंदुस्तान की होगी

पीएम मोदी ने दुनिया में कोरोना से मारे गए 2.75 लाख लोगों के स्वजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की. उन्होंने कहा कि ऐसा संकट हमने न पहले देखा न सुना था. यह त्रासदी अकल्पनीय और अभूतपूर्व है, लेकिन टूटना, बिखराना मानव को स्वीकार्य नहीं है. हमें इस जंग में सतर्क रहकर बचना भी है और आगे भी बढ़ना है. जब दुनिया संकट में है तो हमें अपना संकल्प और मजबूत करना होगा.

पिछली शताब्दी से ही सुनते आए हैं कि 21वीं सदी हिंदुस्तान की होगी. कोरोना संकट के दौरान हमें स्थितियों को अच्छे से देखने–समझने का मौका मिला है. जब हम स्थितियों को अब देखते हैं तो लगता है कि 21वीं सदी भारत की हो तो यह सपना ही नहीं हमारी जिम्मेदारी भी लगती है. विश्व की आज की स्थिति हमें सिखाती है कि इसका रास्ता एक ही है. आत्म निर्भर भारत.

भारत का संकल्प आत्मनिर्भर बनने से ही पूरा होगा

जो हमारे बस में है, जो हमारे नियंत्रण में है, वही सुख है. आत्म निर्भरता हमें सुखी करने के साथ सशक्त भी करती है. 21वीं सदी के भारत का संकल्प भारत को आत्मनिर्भर बनाने से ही पूरा होगा. हम भारत को आत्मनिर्भर बनाकर रहेंगे, इस विश्वास के साथ मैं आपको बहुत बहुत शुभकामनाएं देता हूं.

बिहार में लॉकडाउन उल्लंघन के कुल 2183 मामले में 2047 लोग गिरफ्तार, 70 हजार 203 गाड़ियां जब्त, जुर्माने के तौर पर अब तक वसूले कुल 16 करोड़ 25 लाख 08 हजार 136 रुपए

सम्राट,
संवाददाता, न्यूज टुडे

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने 24 मार्च को पूरे देश में लॉकडाउन लागू किया गया था. लॉकडाउन का पालन सख्ती से हो इस बात की जिम्मेवारी पुलिस को मिली थी. इस दौरान सरकार और प्रशासन की तरफ से बार बार पब्लिक को अपने घरों में रहने को कहा गया. लॉकडाउन का उल्लंघन करते हुए पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की हिदायत भी दी गई. लेकिन इस दौरान सरकारी फरमान का बार बार उल्लंघन हुआ. लोग लाख मना करने के बावजूद अपने घरों से बाहर निकले. ऐसे लोगों के खिलाफ बिहार पुलिस ने पूरी सख्ती बरती है.

मिली है तीन दिनों तक ये रियायत

हालांकि विगत दिनों पहले एमएचए की ओर से जारी एसओपी के तहत राज्य सरकार ने सप्ताह में तीन दिन सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक दुकानों के साथ साथ कई जरूरी दुकानों के साथ ऑनलाइन खाने रेस्टूरेंट से मंगवाने की छूट दी है. इसके बावजूद लोग बेवजह अपने घरों से निकलने से बाज नहीं आ रहे.

कड़ाई से किया गया लॉकडाउन का पालन

प्रदेश की राजधानी पटना हो या फिर राज्य का कोई और जिला पुलिस ने पूरी कड़ाई के साथ इसका उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की. बिहार पुलिस की तरफ से मिले आंकड़ों के अनुसार 24 मार्च से लेकर अबतक यानी पूरे 50 दिनों तक लॉकडाउन उल्लंघन के कुल 2183 मामले में सामने आए. अलग अलग थानों में एफआईआर दर्ज किए गए. इसके अलावा लॉकडाउन तोड़ने वाले 2047 लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया. जबकि लॉकडाउन में बगैर प्रशासनिक अनुमति और पास के सड़क पर दौड़ रही 70 हजार 203 गाड़ियों को जब्त किया गया.

जुर्माने के तौर पर वसूले गए 16 करोड़ रुपए से ज्यादा

इस दौरान बिहार पुलिस ने राजधानी समेत अलग अलग जिलों में कार्रवाई करते हुए जुर्माने के तौर पर कुल 16 करोड़ 25 लाख 08 हजार 136 रुपए अबतक वसूले. बात सिर्फ कल यानि की शुक्रवार की करें तो पूरे बिहार में लॉकडाउन उल्लंघन मामले में 44 लोगों को गिरफ्तार किया गया. उसके अलावा 14 एफआईआर दर्ज की गई. साथ ही 1078 गाड़ियां जब्त की गई. जबकि जुर्माने के तौर पर 32

अभिनेता सोनू सूद कर्नाटक से महाराष्ट्र की यात्रा करने के लिए 350 असहाय, अभावग्रस्त प्रवासी श्रमिकों को घर भेजने के लिए परिवहन की व्यवस्था किया, अब झारखंड,

सुनील चौधरी,
संवाददाता, न्यूज टुडे : नई दिल्ली

फिल्म अभिनेता सोनू सूद बॉलीवुड के ऐसे कलाकार बन गए हैं जो असहाय, अभावग्रस्त प्रवासियों को घर भेजने के लिए परिवहन की व्यवस्था कर रहे हैं. सोनू ने कई बस सेवाओं का आयोजन किया है जो प्रवासी श्रमिकों को उनके घर वापस भेजने में मदद करेगा और सभी कोरोना वायरस के इस कठिन समय में अपने परिवारों से मिल हो पाएंगे. सोमवार को अभिनेता ने कर्नाटक से महाराष्ट्र की यात्रा करने के लिए 350 प्रवासी श्रमिकों के लिए बस की व्यवस्था की थी और आने वाले दिनों में झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश में और लोगों को भेजने की उम्मीद है.

उन्होंने मुंबई मिरर से बातचीत में कहा, "उन्हें खुश और भावुक देखकर बहुत संतोष हुआ कि वे घर जा रहे हैं. हम ओडिशा, झारखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार के लोगों को उनके स्थानों पर भेजने के लिए एक योजना बनाने की कोशिश कर रहे हैं. हम रांची और बिहार के लोगों के काम कर रहे हैं जो अंतिम चरण में हैं. कागजी कार्रवाई प्रक्रिया में है. अगर सब कुछ ठीक रहा, तो हम उन्हें आज या कल भेजने की कोशिश करेंगे."

सोनू सूद ने कहा कि वह एक टीम के रूप में दोस्तों और एनजीओ के साथ काम कर रहे हैं. उन्होंने कहा, "जब मैं इन डॉक्टरों, नर्सों, पुलिसकर्मियों और अन्य अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं के बारे में पढ़ता हूं, तो मैं निस्वार्थ भाव से अपने कर्तव्यों का पालन करता हूं. मैं सामाजिक दूरी बनाए रखता हूं और कुछ मिनटों के बाद बार–बार, सभी सावधानियां बरतने की कोशिश करता हूं. जब आप इन लोगों के साथ बातचीत करते हैं, तो वे उम्मीद महसूस करते हैं. उन्हें लगता है कि कुछ लोग उन्हें वापस घर भेज देंगे. इसमें कुछ समय लग सकता है लेकिन ऐसा होगा."

उन्होंने मौजूदा समय के बारे में कहा,' अब यह अलग दुनिया है और इससे बाहर निकलते ही यह एक बहुत ही अलग दुनिया होगी. हम सभी काम, फाइनेंस, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के मामले में बुरी तरह प्रभावित हुए हैं.' उन्होंने आगे कहा था, "हमें परिस्थितियों में जीने का रास्ता खोजना होगा. मेरा दिन प्रवासी श्रमिकों के लिए परिवहन, सरकारी अनुमति लेने, अन्य चीजों के बीच भोजन का आयोजन करने जैसी चीजों में जाता है. मैं संतुष्ट महसूस करता हूं. मेरे पास समय है, तो जरूरतमंदों को देना महत्वपूर्ण है.'

एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, "मैं सिर्फ 5500 रुपये लेकर मुंबई आया था और मैंने पर्याप्त कमाई की थी. मेरी माँ कहती है 'जीवन देने के लिए है'. यदि मैं समाज को कुछ नहीं दे सकता हूं, तो यह एक अच्छा जीवन नहीं है जिसका मैं नेतृत्व कर रहा हूं. मेरे घर की सुख–सुविधाओं में रहने के दौरान ये लोग क्या कर रहे हैं, यह सोचकर मेरी रातों की नींद हराम हो जाती है. "

लॉकडाउन होने के बावजूद बैंक में राशि की निकासी के लिए उपभोक्ताओं की भीड़ बेकाबू, सावन के महीने में जलाभिषेक के लिए उमड़ी लोगों की भीड़ जैसा नजारा दिखा बैंक में

संतोष राऊत न्यूज टुडे,

लॉकडाउन होने के बावजूद बैंक में राशि की निकासी के लिए पूर्वी चम्पारण जिले के तेतरिया प्रखंड में उपभोक्ताओं की भीड़ कल बेकाबू दिखी। जिस प्रकार सावन के महीने में जलाभिषेक के लिए लोगों की भीड़ लगती है उसी प्रकार बैंक में नजारा दिखा। तेतरिया प्रखंड के मधुआहा वृत्त गांव स्थित बैंक आफ दंडिया की शाखा में सुबह से ही खासकर महिलाओं की भीड़ लगी रही। एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ में शारीरिक नियमों की धज्जियां उड़ती रही। कोराना महामारी को लेकर जारी लॉकडाउन के चलते उत्पन्न स्थिति में सहायता हेतु प्रधानमंत्री गरीब कल्याण फंड से जन–धन खाते मे उपलब्ध कराई गई राशि निकालने के लिए भारी संख्या मे ग्राहक जमा हो रहे हैं। इस स्थिति में संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है।

ऐसा नहीं है कि बैंक प्रबंधक की ओर से इसका ख्याल नहीं रखा गया है। लॉकडाउन के चलते छाया के लिए टेंट लगाया गया है। ग्राहकों के लिए शुद्ध पेयजल और सैनिटाइजर का प्रबंध किया गया है। बांस–बल्ला लगा कर तीन–चार लंबी कतार भी बनाई गई है। वही प्रशासन से सुरक्षा प्रबंध की मांग की गई। इसके आलोक में प्रशासन ने भी यहां एक जमादार के नेतृत्व मे चार चौकीदार की प्रतिनियुक्ति की है। बीच–बीच में पुलिस गाड़ी भी निगरानी में आती है। बैंक की सुरक्षा गार्ड भी इनके साथ भीड़ संभालने मे जुटे हुए हैं। मगर भीड़ बेकाबू हो जा रही है। बताया जाता है कि सुबह 4 बजे से ही लोग कतार में खड़े हो जाते हैं। उनके बीच यह अफवाह फैला दी गई है कि खाते में राशि रहने के बाद सरकार उसे वापस कर लेगी। इसलिए वे जल्दी से उक्त राशि को निकालने के लिए बेचौन हो गए हैं। गर्मी के बीच लाइन में धक्का–मुक्की भी हो रही है।

राजेपुर थाने के अनि रामेश्वर उपाध्याय ने बताया कि यहां मि. हलाएं लाख प्रयास के बावजूद शारीरिक दूरी के अनुपालन नहीं कर रही हैं। जरूरत है महिला पुलिस की प्रतिनियुक्ति की। शाखा प्रबंधक असीमानंद से बताया कि मेरे शाखा में कुल एक लाख 86 हजार खाताधारक हैं, जिसमें जनधन योजना के 48 हजार खाताधारक हैं। इन दिनों जान की परवाह किए बिना उनकी सेवा में लगा हूं। प्रतिदिन पांच से छह सौ ग्राहकों को पेमेंट दी जाती है।

इधर दूसरी किस्त की राशि भी आ जाने से बेतहाशा भीड़ बढ़ गई है। मुखिया सीयासुनदरी देवी, संतोष कुमार, धर्मेंद्र कुमार, प्रमुख विनय कुमार यादव, समाज सेवी सुबोध सिंह आदि ने अफवाह पर ध्यान नहीं देने तथा कोराना महामारी दौरान बैंक पर लाकडाउन के अनुपालन की अपील की है।

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज कोरोना संकट के इस काल में देश को आत्म-निर्भर बनाने के संकल्प के साथ सभी पक्षों से बातचीत के बाद तैयार हुआ है : निर्मला सीतारमण

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज के बारे में कहा कि सभी पक्षों से बातचीत के बाद यह पैकेज तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि ग्रोथ में तेजी लाने के लिए यह पैकेज जरूरी था। उन्होंने अपने प्रेस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत आत्म-निर्भर भारत अभियान के साथ की। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जो एनपीए हैं और जो लॉकडाउन के चलते परेशानी में हैं उन्हें इस कदम से फायदा होगा 45 लाख एमएसएमई को राहत, एक साल तक कर चुकाने से मुक्ति मिलेगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा 15 विभिन्न कदमों का जिक्र होगा जिसमें 6 एमएसएमई के लिए कदम उठाएंगे दो कदम एमएसएमई के फाइनेंस से जुड़ा है और 2 पीएफ से जुड़े हैं। एमएसएमई को 3 लाख करोड़ का कर्ज बिना किसी गारंटी का मिलेगा। सूक्ष्म, लघु, मध्यम व कुटीर उद्योग के लिए 20 हजार करोड़ का प्रावधान। वहीं 50000 करोड़ का फंड एमएसएमई में डाला जाएगा।

बजट के फौरन बाद कोरोना आ गया। बजट सेशन के बाद हमने गरीब कल्याण योजना के तहत 41 करोड़ खातों में पैसा पहुंचा था। जिनके पास राशन कार्ड नहीं था उन्हें भी राशन दिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा मोदी सरकार लोगों से बातचीत और संवेदनशीलता में भरोसा रखती है और बजट के बाद तुरंत कोरोना का प्रकोप आ गया।

वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पीएम ने सबसे पहला कदम देश के गरीबों को लेकर उठाया। एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया। वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि पीएम ने सबसे पहला कदम देश के गरीबों को लेकर उठाया। एक लाख 70 हजार करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया। आत्मनिर्भर भारत बनाने का उसने देश के लोगों में नई ऊर्जा भर दी है। लोग संकट में अवसर देख रहे हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की प्रेस कॉन्फ्रेंस में 20 लाख करोड़ के आर्थिक पैकेज का लेखाजोखा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि कई मंत्रालयों की लंबी चर्चा के बाद पैकेज पर फैसला हुआ है। इस पैकेज के सहारे देश को आत्म निर्भर बनाना है। इसलिए इसे आत्म-निर्भर भारत अभियान कहा जा रहा है। हम जो भी योजनाओं का ऐलान करेंगे वो सीधे लोगों तक पहुंचेगे। गरीबों के खाते में सीधे पैसा पहुंच रहा है।

आर्थिक पैकेज 20 लाख करोड़

20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज में किसे क्या मिला? जानें- वित्त मंत्री की बड़ी बातें

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

बीते मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना संकट के बीच अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए कल 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज का ऐलान किया था. इस पैकेज के बारे में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विस्तार से जानकारी दे रही हैं. टैक्सपेयर्स को 31 मार्च 2021 तक टीडीएस कटौती में 25 फीसदी की राहत मिली है.

बता दें कि सरकार टीडीएस (TDS) के जरिये टैक्स जुटाती है. टीडीएस विभिन्न तरह के आय के स्रोत पर काटा जाता है. इसमें सैलरी, किसी निवेश पर मिले ब्याज या कमीशन आदि शामिल हैं.रियल एस्टेट के मामले में एडवाइजरी जारी होगा कि सभी प्रोजेक्ट्स को मार्च से आगे 6 महीने तक मोहलत दी जाए.डिस्कॉम यानी बिजली वितरण कंपनियों की मदद के लिए इमरजेंसी लिक्विडिटी 90,000 करोड़ रुपये दी जाएगी.

नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी, माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के लिए 30,000 करोड़ की विशेष लिक्विडिटी स्कीम लाई जा रही है. इससे नकदी का संकट नहीं रह जाएगा. एनबीएफसी को 45,000 करोड़ की पहले से चल रही योजना का विस्तार होगा. वहीं आंशिक ऋण गारंटी योजना का विस्तार होगा, इसमें डबल ए या इससे भी कम रेटिंग वाले एनबीएफसी को भी कर्ज मिलेगा.

ईपीएफ पर बड़ी राहत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि सरकार अब अगस्त तक कंपनी और कर्मचारियों की तरफ से 12 फीसदी. 12 फीसदी की रकम EPFO में जमा करेगी. इससे करीब 75 लाख से ज्यादा कर्मचारियों और संस्थाओं को फायदा मिलेगा. बता दें कि मार्च, अप्रैल और मई में भी सरकार ने ही कंट्रीब्यूट किया था.मतलब ये कि इस सुविधा को तीन महीने के लिए बढ़ा दिया गया है.लेकिन इसके साथ कुछ शर्तें हैं. सरकार की इस ऐलान का फायदा सिर्फ उन्हीं कंपनियों को मिलेगा, जिनके पास 100 से कम कर्मचारी है और 90 फीसदी कर्मचारी की सैलरी 15,000 रुपये से कम है. यानी 15 हजार से ज्यादा तनख्वाह पाने वालों को इसका फायदा नहीं मिलेगा.कर्मचारियों का 12 फीसदी की जगह 10 फीसदी ईपीएफ कटेगा. हालांकि पीएसयू में 12 फीसदी ही ईपीएफ कटेगा.एमएसएमई सेक्टर की परिभाषा बदल दी गई.

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बताया कि एमएसएमई यानी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग की परिभाषा बदल दी गई है. इसमें निवेश की लिमिट में बदलाव किया गया है. 1 करोड़ निवेश या 10 करोड़ टर्नओवर पर सूक्ष्म उद्योग का दर्जा दिया जाएगा.इसी तरह 10 करोड़ निवेश या 50 करोड़ टर्नओवर पर लघु उद्योग का दर्जा दिया जाएगा. वहीं 20 करोड़ निवेश या 100 करोड़ टर्नओवर पर मध्यम उद्योग का दर्जा होगा.निर्मला सीतारमण ने बताया कि मौजूदा दौर में ट्रेड फेयर संभव नहीं है.200 करोड़ तक का टेंडर ग्लोबल नहीं होगा. यह एमएसएमई के लिए बड़ा कदम है.

इसके अलावा एमएसएमई को ई-मार्केट से जोड़ा जाएगा. सरकार एमएसएमई के बाकी पेमेंट 45 दिनों के अंदर करेगी.वित्त मंत्री के मुताबिक 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज में से 3 लाख करोड़ एमएसएमई यानी सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग को जाएंगे. इनको बिना गारंटी लोन मिलेगा. इसकी समयसीमा 4 साल की होगी. इन्हें 12 महीने की छूट मिलेगी. ये ऑफर 31 अक्टूबर 2020 तक के लिए है.वित्त मंत्री के मुताबिक जो एमएसएमई तनाव में हैं उन्हें सबआर्डिनेट डेट के माध्यम से 20000 करोड़ की नकदी की व्यवस्था की जाएगी. बता दें कि एसएमई में लघु और मझोले कारोबार आते हैं.

वित्त मंत्री के मुताबिक एमएसएमई जो सक्षम हैं, लेकिन कोरोना की वजह से परेशान हैं, उन्हें कारोबार विस्तार के लिए 10,000 करोड़ के फंड्स ऑफ फंड के माध्यम से मदद दी जाएगी.वित्त मंत्री के मुताबिक सार्वजनिक क्षेत्र को बैंकों से जुड़े सुधार, बैंकों के रिकैपिटलाइजेशन जैसे काम किए गए.वित्त मंत्री के मुताबिक 41 करोड़ जनधन अकाउंट होल्डर्स के खाते में डीबीटी ट्रांसफर किया गया है.वित्त मंत्री ने बताया कि 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज को लेकर चर्चा में पीएम मोदी के अलावा कई विभागों

देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए 20 लाख करोड़ के पैकेज के दूसरे किस्त को लेकर आज एलान, पैकेज के इस दूसरे चरण में किसान, मजदूरों और असंगठित क्षेत्रों के कामगारों को राहत

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए 20 लाख करोड़ के पैकेज के दूसरे किस्त को लेकर आज एलान कर रही हैं। उन्होंने कृषि कर्ज पर इंटरेस्ट सब्वेंशन और प्रॉम्पट रिपेमेंट इंसेंटिव का लाभ अब 31 मई, 2020 तक देने की बात कही। वित्त मंत्री ने 25 लाख नए किसान क्रेडिट कार्ड होल्डर्स के लिए 25,000 करोड़ रुपये के लोन को मंजूरी का एलान भी किया। उन्होंने कहा कि आज प्रवासी मजदूरों, किसानों, स्वरोजगारों की बात होगी, जो 9 घोषणाएं की जाएंगी उनमें से 3 प्रवासी मजदूरों के लिए होगी वित्त मंत्री ने कहा कि गरीब कल्याण योजना देश के गरीब लोगों के लिए था।आइये जानते हैं, वित्त मंत्री की आज की बड़ी घोषणा...

क्या कहा वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने

वित्त मंत्री ने 20 लाख करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज के बारे में विवरण देते हुए कहा कि तीन करोड़ सीमांत किसानों ने किफायती दरों पर चार लाख करोड़ रुपये का लोन प्राप्त किया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि मार्च में रूरल इंफ्रा फंड के तहत राज्यों को 4200 करोड़ रुपए दिये गए।

मार्च, अप्रैल में 86600 करोड़ रुपए के 63 लाख कृषि लोन मंजूर किए।

मार्च, 2020 में ग्रामीण इलाकों के बुनियादी ढांचे के लिए राज्यों को 4,209 करोड़ रुपये की सहायता उपलब्ध करायी गई।

एक मार्च, 2020 से 30 अप्रैल, 2020 के बीच कृषि के लिए 86,600 करोड़ रुपये का लोन दिया गया।

9 योजनाओं में से 2 योजना छोटे किसानों से संबंधित,3 अप्रवासी मजदूरों, स्ट्रीट वेंडर्स के लिए भी योजना

लोन मोरेटोरियम का तीन करोड़ किसानों ने फायदा उठाया।

किसान लोन इंटरेस्ट सबवेंशन स्कीम 31 मई तक बढ़ाई गई।

दो महीने में 25 लाख नए क्रेडिट कार्ड जारी किए गए।

कृषि ऋण पर इंटरेस्ट सब्वेंशन और प्रॉम्पट रिपेमेंट इंसेंटिव का लाभ अब 31 मई, 2020 तक मिलेगा।

25 लाख नए किसान क्रेडिट कार्ड होल्डर्स के लिए 25,000 करोड़ रुपये के लोन को मंजूरी।

आज प्रवासी मजदूरों, किसानों, स्वरोजगारों की बात।

9 में से 3 प्रवासी मजदूरों के लिए।

गरीब कल्याण योजना देश के गरीब लोगों के लिए था।

पीएम केयर्स फंड से कोरोना से जंग के लिए 3100 करोड़ रुपए जारी, 2000 करोड़ से वेंटीलेटर तो 1000 करोड़ प्रवासी मजदूरों के कल्याण पर किए जाएंगे खर्च

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

पीएम केयर्स फंड से कोरोना से जंग के लिए 3100 करोड़ रुपए जारी किए जाएंगे। इस राशि से 2000 करोड़ से वेंटीलेटर खरीदे जाएंगे जबकि 1000 करोड़ प्रवासी मजदूरों के कल्याण पर खर्च किए जाएंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान में यह जानकारी देते हुए कहा कि इस मद में निर्धारित 3100 करोड़ में शेष 100 करोड़ की राशि कोरोना वैक्सीन विकसित करने पर खर्च की जाएगी।

पीएम केयर्स फंड से प्रवासी मजदूरों के लिए 1000 करोड़

प्रवासी मजदूरों की समस्याओं को लेकर तेज हो रही राजनीति के बीच सरकार ने पीएम केयर्स फंड से उनके आवागमन, खानपान, चिकित्सा जैसी जरूरतों को पूरा करने के लिए 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। राज्यों को दिया गया यह फंड जिलाधिकारी और निगम आयुक्त के अधीन रहेगा। राज्यों में सरकारी की तरफ से चलाए जा रहे कोविड स्पेशल हॉस्पिटल में भारत में निर्मित 50 हजार वेंटिलेटर की आपूर्ति के लिए भी दो हजार करोड़ रुपये दिए गए हैं। जबकि वैक्सीन के विकास के लिए 100 करोड़ रुपये दिए गए हैं। वैक्सीन विकास के लिए जारी फंड का उपयोग प्रधानमंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार की निगरानी में होगा।

कोरोना काल में दिल्ली सरकार के खजाने में आ सकता है तीन से चार हजार करोड़ रुपये : सुशील श्रीवास्तव

सुनील चौधरी,
संवाददाता,

दिल्ली में व्यापारी वर्ग के समक्ष जितनी अड़चनें है और उलझने है, संभवतः उतनी किसी अन्य के पास नहीं। कोई भी कारोबार छोटा हो या बड़ा मुनाफे से ज्यादा खर्च, पहले नजर आता है किंतु इस बात को समझने के लिए कोई भी तैयार नहीं। क्वालिटी के नाम पर सरकार तो मैनुफैक्चर्स और ट्रेडर्स दोनों को दुधारू गाय की तरह दुह रही है। भारत सरकार, दिल्ली सरकार एवं पुलिस प्रशासन द्वारा मिलने वाली प्रतारणा से निजात दिलाने एवं व्यापारियों की अन्य समस्याओं के निराकरण हेतु सरकार व अधिकारियों के बीच द्विपक्षीय समझौता को अंजाम देने वाला कोई नहीं है, इसका मुख्य कारण यह है कि इतनी बड़ी आबादी (लाखों की संख्या में बसे व्यापारियों) का कोई ऐसा नेता नही है जो आत्मसम्मान के लिए एक कामयाब लड़ाई लड़ने का कर्तव्य पूरा करे। उपरोक्त बातें दिल्ली में वरिष्ठ पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता एवं अखिल भारतीय कायस्थ महासभा (पंजीकृत) के राष्ट्रीय महासचिव सुशील श्रीवास्तव ने कही।

श्री श्रीवास्तव ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को एक सुझाव दिया है कि "री लोकेशन ऑफ इंडस्ट्रीज" जिसमें नरेला इंडस्ट्रियल एरिया, बवाना इंडस्ट्रियल एरिया, बादली एवं पटपड़गंज आदि इंडस्ट्रियल एरिया आता है इन सभी को, इस वक्त जहाँ सभी कोरोना वायरस से जूझ रहे हैं सभी इंडस्ट्रियल एरिया को फ्री होल्ड कर देना चाहिए। इससे सिर्फ कनवर्जन चार्ज के रूप में दिल्ली सरकार के खजाने में तीन हजार करोड़ से चार हजार करोड़ रुपये तक आ जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी रकम से सरकार को कोरोना से लड़ने में काफी सहयोग मिलेगा और व्यापारी भी जहाँ कोरोना महामारी से जूझ रहे हैं, वो अपनी फ्री होल्ड प्रौपर्टी पर लोन ले सकते है व अपना व्यापार को बेहतर रुप से चला सकते है ! दिल्ली सरकार को इस विषय में गम्भीरता से सोचना चाहिए।

17 मई के बाद चौथे चरण के लॉकडाउन : 4.0 में ज्यादा छूट का संकेत, कोई सख्त लॉकडाउन तो कोई आर्थिक गतिविधियां शुरू करना चाहता है

कोरोना के प्रसार की गति को कम करने के लक्ष्य के साथ लागू देशव्यापी लॉकडाउन का तीसरा चरण 17 मई को समाप्त हो रहा है। इस बात क स्पष्ट संकेत हैं कि लॉकडाउन इसके बाद भी जारी रहेगा। मंगलवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि लॉकडाउन अभी पूरी तरह नहीं हटेगा। हालांकि उन्होंने चौथे चरण में ज्यादा छूट का संकेत भी दिया था। अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार यानी 18 मई से शुरू होने जा रहे चौथे चरण में ग्रीन जोन को पूरी तरह खोलने का फैसला लिया जा सकता है। इस चरण में हॉटस्पॉट तय करने का अधिकार राज्यों को मिलने की उम्मीद है। हालांकि शारीरिक दूरी का पालन करना और मास्क लगाने जैसे प्रावधान सभी के लिए अनिवार्य रहेंगे।

अधिकारियों का कहना है कि अगले चरण में ऑरेंज जोन में भी बहुत कम पाबंदियां रहेंगी। रेड जोन में भी कंटेनमेंट एरिया में हो सख्ती रखी जाएगी। यहां तक कि रेड जोन में सैलून, नाई की दुकान और चश्मे की दुकानों को भी खोलने की अनुमति मिल सकती है। हालांकि इस संबंध में विस्तृत गाइडलाइंस राज्य सरकारों के सुझावों के आधार पर गृह मंत्रालय जारी करेगा। राज्य सरकारों को शुक्रवार तक अपने सुझाव देने को कहा गया था।

अधिकारियों के मुताबिक, पंजाब, बंगाल, महाराष्ट्र, असम और तेलंगाना लॉकडाउन को जारी रखना चाहते हैं। इनमें से कुछ राज्य जोन तय करने का अधिकार अपने हाथ में चाहते हैं। राज्यों का यह अनुरोध माना जा सकता है, ताकि राज्य जमीनी हालात के आधार पर किसी क्षेत्र में लोगों की आवाजाही या आद्यथक गतिविधियों को लेकर फैसला कर सकें। अभी कोई भी राज्य लॉकडाउन को पूरी तरह से हटाने के पक्ष में नहीं है, लेकिन आर्थिक गतिविधियों को धीरे-धीरे शुरू करना चाहते हैं।

रेलवे और घरेलू उड़ानों के मामले में भी अगले हफ्ते से कुछ अतिरिक्त अनुमति मिलने की उम्मीद है। हालांकि अभी रेल और हवाई जहाज का परिचालन पूरी तरह शुरू होने में वक्त लग सकता है। बिहार, तमिलनाडु, कर्नाटक समेत कई राज्य कम से कम मई अंत तक इन सेवाओं को पूरी तरह चालू करने के पक्ष में नहीं हैं।

सीमित यातायात की उम्मीद

लॉकडाउन के अगले चरण में कंटेनमेंट एरिया के अलावा सभी जगहों पर लोकल ट्रेन, बस और मेट्रो सेवाएं भी सीमित क्षमता के साथ शुरू की जा सकती हैं। सीमित सवारियों के साथ ऑटो और टैक्सी के संचालन को भी अनुमति दी जा सकती है। हालांकि इन पर अंतिम फैसला राज्यों का रहेगा। ऑरेंज और रेड जोन में बाजारों को खोलने का फैसला भी राज्य सरकारें लेंगी। राज्य सरकारें गैर जरूरी वस्तुओं की दुकानों को खोलने के लिए ऑड-इवन फॉर्मूला अपना सकती हैं। कंटेनमेंट एरिया को छोड़कर रेड जोन में भी ई-कॉमर्स कंपनियों को सभी वस्तुओं की डिलीवरी की इजाजत देने की तैयारी है। ग्रीन और ऑरेंज जोन में पहले ही ई-कॉमर्स कंपनियों को गैर जरूरी वस्तुओं की डिलीवरी की अनुमति दो जा चुकी है।

क्या चाहते हैं राज्य?

सबसे ज्यादा कोरोना मरीजों वाले महाराष्ट्र की सरकार मुंबई, इसके उपनगरीय इलाकों और पुणे में सख्त लॉकडाउन चाहती है। राज्य सरकार एक जिले से दूसरे जिले और दूसरे राज्य के लिए किसी भी तरह के परिवहन की अनुमति नहीं देना चाहती। दूसरे सबसे ज्यादा मरीजों वाला गुजरात बड़े शहरी केंद्रों में आर्थिक गतिविधिया शुरू करना चाहता है। दिल्ली, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और केरल की सरकारें आर्थिक गतिविधियां शुरू करना चाहती हैं। केरल की सरकार रेस्टोरेंट और होटल भी खोलना चाहती है। प्रवासी मजदूरो के आने के बाद मामलों में बढ़ोतरी का सामना कर रहे बिहार, झारखंड, ओडिशा जैसे राज्य लोगों की आवाजाही पर सख्त प्रतिबंध के साथ लॉकडाउन जारी रखना चाहते हैं।

Yuvaraj Media & Entertainment's NEWS TODAY Update A National News Portal www.newstodayupdate.in
युवराज न्यूज़ टुडे आपकी आवाज़ RNI:- BIHHIN05409
News Today - सदैव सत्य के साथ
Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830

ग्रीन एण्ड क्लीन संस्था 21 मार्च से अब तक ढाई लाख आबादी वाले शहर के 80 प्रतिशत क्षेत्र को कर चुकी है सैनिटाइज

डा. राजेश अस्थाना,
एडिटर इन चीफ,

अनुकरणीय पहल

ग्रीन ऐण्ड क्लीन संस्था ने 21 मार्च से नगर के गांधी चौक से सेनेटाईजेसन का जो कार्य आरम्भ किया वह लगातार जारी है। संस्था ने छिड़काव के साथ आम लोगो को लॉक डाउन पालन के लिये लगातार सावधान भी किया। संस्था ढाई लाख आबादी वाले शहर के 80 प्रतिशत क्षेत्र को सैनिटाइज कर चुकी है। संस्था में युवा अधिक संख्या में है कई अनुभवी अवकाश प्राप्त शिक्षक एवं अन्य समाजसेवी लोगों का भी सहयोग संस्था को मिल रहा है।

संस्था ने मजदूर दिवस के अवसर पर नगर परिषद के एक सौ से ज्यादा सफाई कर्मियों को सामूहिक रूप से सम्मानित किया। उनपर फूलों की वर्षा की एवं सम्मान का चादर ओढ़ाया और टीका लगाकर उन्हें सम्मानित किया। वही संस्था के एक योद्धा अमरेन्द्र सिंह ने कहा कि जहां सारे शहर के लोग घरों में बंद रह रहे है उस स्थिति में हमारे सफाई कर्मी जान हथेली पर लेकर हमारे लिए कोरोना से युद्ध लड़ रहे है। वे हमारी सुरक्षा के लिए हमेशा लगे रहे। दुसरा सम्मान मे संस्था ने नगर के सभी थाना के पुलिस को सामूहिक रूप से सम्मानित किया। सम्मानित होनेवालो मे काफी संख्या में पुलिस आधिकारि और महिला पुलिस थे। वही संस्था ने तीसरे चरण के सम्मान समारोह में मीडिया कर्मियों की सुधि ली। जिस मीडिया कर्मियों की सुधि न तो सरकार लेती है और न ही सामाजिक क्षेत्र के लोग लेते हैं जबकि पत्रकार इस संकट के दौर में अपने पत्रकारिता धर्म का लगातार पालन कर रहे हैं। पत्रकार आम लोगों को हर पल की जानकारी प्रिंट, टीवी और सोशल मीडिया के मध्यम मे दे रहे है।

ग्रीन एण्ड क्लीन संस्था ने वैसे तमाम पत्रकारों की सुधि ली और जिला परिषद के परिसर में आज सम्मान समारोह आयोजित कर आदर के साथ उन्हें सम्मानित किया। सभी सदस्यों ने पत्रकारों पर फूलों की बरसात की उन्हें टीका लगाया, माला पहनाया एवं सम्मान का चादर ओढ़ाया। संस्थापक अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार सिंह ने स्वागत मे कहा कि इस वैश्विक कोरोना वायरस संक्रमण के इस दौर में पत्रकारों की सेवा को भुलाया नहीं जा सकता। जहां सारे लोग घरों के अंदर कैद हैं उस दौर में प्रिंट से लेकर सोशल मीडिया के हमारे पत्रकार हर समाचार की जानकारी हम तक पहुंचाते रहे हैं। पत्रकार भी किसी का बेटा है, किसी के पति हैं ,किसी का भाई हैं और कोरोना का यह खौफ जो पूरे समाज में चारों तरफ है, उसको चीरते हुए पत्रकारों ने जो अपना फर्ज निभाया है उसकी जितनी भी प्रशंसा की जाए कम होगी।

वही अवकाश प्राप्त शिक्षक अमित सेन ने कहा कि पत्रकार लो. कतंत्र का चौथा स्तंभ है, और वैश्विक कोरोना संकट के दौर में मोतिहारी के पत्रकारों ने जो साहसिक कार्य किया है वह काबिले तारीफ है। संबोधन में एक पत्रकार ने कहा कि सरकारी कर्मी तथा पुलिस के लोग या सफाई कर्मी है उन सभी के साथ गवर्नमेंट है अगर उनको कुछ होता है तो उनको अच्छा खासा मुआवजा क्षतिपूर्ति भी मिल जाएगी लेकिन पत्रकारों के आगे पीछे कोई नहीं है यहां तक कि मीडिया घराना भी नहीं है और पत्रकारों ने जो अपनी सेवा दी है, तथा हर पल का जो खबर पहुंचाया है, वह काफी जोखिम भरा रहा है। पत्रकारों का सम्मान करके संस्था आज खुद सम्मानित हो रही है।

सम्मानित करने वालों में अमित सेन, संस्था के फाउंडर हरी सिंह, अमरेंद्र सिंह, सीएससी सेंटर के डायरेक्टर ओम वर्मा, आलोक कुमार समेत दर्जनों समर्पित योद्धा थे जो लोग दिन रात छिड़काव के कार्य में लगे हुए हैं। वही सम्मानित होने वाले पत्रकारों में मुख्य रूप से वरिष्ठ पत्रकार अशोक वर्मा, डा.राजेश अस्थाना, कैलाश गुप्ता, राजन दत्त द्विवेदी, सुदिष्ठ नारायण ठाकुर, रिशु वर्मा, अजीत कुमार वर्मा कन्हैया,प्रासर प्रभात, विनीत श्रीवास्तव, गौरी शंकर प्रसाद, रितेश वर्मा, राकेश कुमार, अरविंद कुमार, सचिन पाण्डेय, रवि गुप्ता, प्रभात रंजन, आलोक वर्मा, रिंकू गिरी, मो शोहेब सहित सभी समाचार पत्र, टीवी एवं सोशल मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

पूर्वी चंपारण जिले के कोविड 19 से संक्रमित आठ लोगों ने कोरोना को दी है मात, हुई विदायी

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

पूर्वी चंपारण जिले के कोविड 19 से संक्रमित आठ लोगों ने कोरोना को मात दी है, जिसमे कोरोना से जंग जितने वाली आठ माह की बच्ची सहित आठ लोगो को फूल माला पहनाकर आइसोलेशन वार्ड से विदा किया गया.

इन सबों को धार्मिक पुस्तक, फल सहित डीएम ने एक एक सार्टिफिकेट दिए। इनमें से तीन लोगों का तीसरा कोरोना जांच रिपोर्ट नेगेटिव आया है. जबकि पांच लोगों का दूसरा जांच रिपोर्ट निगेटिव आया है. सभी को आज आईसोलेशन सेंटर से छुट्टी दी गई. आईसोलेशन सेंटर से निकलने के बाद सभी लोग 7 दिन होम क्वॉरेंटाईन में रहेंगे.

डीएम कपिल अशोक शीर्षत ने बताया कि जिले के कुल 13 कोरोना पॉजिटिव मरीजों में से आठ लोगों को आईसोलेशन सेंटर से छुट्टी दी गयी. ये वो लोग हैं जिनकी तीसरी कोरोना जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है. जिलाधिकारी ने आम लोगों से अपील किया कि घर लौट रहे इन लोगों का सभी सम्मान करेंगे क्योंकि ये सभी हमलोगों से ज्यादा सुरक्षित है. डीएम के मुताबिक कोरोना मरीज प्लाज्मा दान देकर मदद कर सकते हैं. जिलाधिकारी ने मीडिया के सकारात्मक सहयोग की भी सराहना की।

बता दें कि जिले के बजरिया प्रखंड स्थित जटवा गांव के दो लोगों के अलावा अरेराज नगर पंचायत के एक व्यक्ति का दूसरा कोरोना जांच रिपोर्ट नेगेटिव आया है. तीनों लोगों का 26 अप्रैल को कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आया था. जटवा के मरीज का मुंबई जबकि अरेराज के युवक का दिल्ली का ट्रैवल हिस्ट्री था. वहीं, शिकारगंज के तीन और पकड़ीदयाल की एक महिला का भी पहला रिपोर्ट नेगेटिव आया है. ये सभी दिल्ली से बिहार पहुंची हैं. वहीं, पकड़ीदयाल की महिला भोपाल से आई थी.

पुलिस की मुस्तैदी से बड़ी मात्रा में विदेशी शराब जब्त, कारोबारी

रिंकू गिरी,
संवाददाता

लॉकडाउन को लेकर पूर्वी चंपारण में पुलिस की मुस्तैदी चुस्त–दुरुस्त है. बावजूद इसके शराब करोबारी अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे हैं. ताजा मामला चकिया थाना क्षेत्र का है. यहां से पुलिस ने हरियाणा निर्मित विदेशी शराब से लदे एक ट्रक को पकड़ा है.

शराब कारोबारियों के खिलाफ जारी रहेगा अभियान : एसपी

शराब जब्ती की जानकारी देते हुए एसपी नवीन चंद्र झा ने बताया कि चकिया डीएसपी के नेतृत्व में छापेमारी कर भारी मात्रा में शराब बरामद किया गया है. उन्होने बताया कि सभी थाने की पुलिस और पदाधिकारियों को शराब कारोबारियों के खिलाफ अभियान जारी रखने का निर्देश दिया गया है.

शराब की खेप आने की मिली थी सूचना

चकिया डीएसपी शैलेंद्र कुमार को शराब की एक बड़ी खेप आने की सूचना मिली थी. इसके आधार पर डीएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने एनएच–28 पर इमादपट्टी के पास घेराबंदी की. पुलिस को देख ट्रक का ड्राइवर गाड़ी को एनएच पर हीं छोड़कर भाग खड़ा हुआ. पुलिस ने ट्रक की जांच की तो उसमें शराब के कार्टन मिले. ट्रक में कुल 735 कार्टन विदेशी शराब लदे थे. जिसे पुलिस ने ट्रक समेत जब्त कर लिया है. वहीं, पुलिस शराब कारोबारी को चिन्हित करने में लगी है.

ढाका प्रखंड क्षेत्र भ्रमण क्रम में जिलाधिकारी ने क्वॉरेंटाइन सेंटर का किया निरीक्षण

संतोष राऊत
न्यूज टुडे,

पूर्वी चम्पारण के जिलाधिकारी कपिल अशोक शीर्षत ढाका प्रखंड क्षेत्र भ्रमण क्रम में चंदन बारा पंचायत के डी एम एल पब्लिक स्कूल में अवस्थित क्वॉरेंटाइन सेंटर (संग रोधी केन्द्र) में निश्चित अवधि तक आवासित प्रवासी श्रमिको हेतु की गई व्यवस्था का जायजा लिया।

उक्त अवसर पर जिलाधिकारी ने आवासित व्यक्तियों से बातचीत की उन्हें आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन द्वारा उनका पूरा ख्याल रखा जाएगा।सबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी को संग रोधी केंद्रो ने आवासित व्यक्तियों हेतु निर्धारित मानक के अनुसार भोजन नाश्ता की व्यवस्था करने एवम् डिग्निटी किट यथा शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

क्वॉरेंटाइन सेंटर में निवासरत व्यक्तियों को जिला द्वारा संचालित परियोजना पाठशाला के सम्बन्ध में जानकारी दी गई एवम् उन्हें आश्वस्त किया गया कि जिला प्रशासन विहित प्रावधानों के अनुसार प्रवासी श्रमिको हेतु यथासंभव रोजगार सृजन का प्रयास करेगा एवम् यह भी सुनिश्चित किया जाएगा की उन्हें नियमो के अनुरूप संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले।

आज भ्रमण क्रम में अन्य स्थलों का भी निरीक्षण किया गया,जिसका उपयोग आवश्यकतानुसार क्वॉरेंटाइन सेंटर (संग रोधी केन्द्र) हेतु किया जाएगा।निरीक्षण क्रम में सहायक समाहर्ता उप विकास आयुक्त अनुमंडल पदाधिकारी, सिकरहना आदि भी उपस्थित थे।

मशहूर भजन गायिका और कथावाचक जया किशोरी ने कहा शादी का डिसीजन दिल के साथ दिमाग से भी लेना चाहिए, बताए लाइफ पार्टनर के चयन के टिप्स

आशीष राज,
स्थानीय संपादक,

जया किशोरी एक मशहूर भजन गायिका और कथावाचक हैं. उन्होंने आज–कल के दौर में शादी हो जाती है, लेकिन रिश्ता लंबे समय तक नहीं निभा पाते है. इस पर जया किशोरी ने अपनी एक स्पीच में लाइफ पार्टनर का चुनाव कैसे करें, इस बारे में अपने दर्शकों को बताया है. जया किशोरी ने कहा कि आज के समय में व्यक्ति शादी का निर्णय तो तुरंत ले लेता है पर कई बार अपना रिश्ता लंबे समय तक नहीं निभा पाता है. कथावाचक जया किशोरी ने कहा कि इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, लेकिन एक मुख्य कारण जो सामने आता है वो है आपका एक दूसरे को नहीं समझ पाना. इस पर जया किशोरी का कहना है कि शादी का डिसीजन दिल के साथ दिमाग से भी लेना चाहिए.

शादी बहुत सोच–समझकर करना चाहिए. उन्होंने ने कहा कि पहले और अब में बहुत अंतर है. पहले सपने में भी लोग देख लेते थे तो शादी कर लेते थे. उन्होंने ने कहा कि जब आप किसी से मिलते हैं तो शुरू में तो उसकी हर चीज आपको पसंद आती है. अगर किसी को पहचानना है तो उसे बोलने दो. उसकी बोली बता देगी कि वे कैसा व्यक्ति है, इसलिए जरूरी है कि आप सामने वाले का स्वभाव समझे. स्वभाव समझने का जब मौका नहीं मिलता और आगे जाकर जब असलियत सामने आती है तब हमे लगता है कि ये रिश्ता चल नहीं पायेगा.

इसलिए सिर्फ अच्छापन देखकर ही शादी नहीं की जाती. अच्छी चीजों से तो हर कोई प्यार करता है. वो प्यार थोड़ी है. अगर मेरे अंदर कोई अच्छाई है और कोई इंसान उसे पसंद कर रहा है, तो उस अच्छाई को तो पूरी दुनिया ही पसंद कर रही होगी तो उसमें ऐसी कौन सी खास बात है. मुझमें जो बुराई है उस चीज को भी कोई ठीक करे या उसको अपनाए तब मतलब आप उसके साथ रह सकते हैं. आगे जया किशोरी कहती हैं कि शादी कुछ दिन मिलना नहीं होता. शादी का मतलब हमे पूरे जीवन एक साथ एक कमरे में रहना है.

आज–कल के बच्चे संस्कार से हो रहे है दूर

कथावाचक जया किशोरी ने कहा कि आज कल के बच्चे संस्कार से दूर होते जा रहे है. जो बच्चे देखेंगे वहीं करेंगे, बच्चे जो देखते हैं वहीं सिखते है, बच्चे सुनते नहीं है. जया किशोरी ने कहा कि बच्चे के सामने जो आप करेंगे वहीं सिखेंगे. उन्होंने ने कहा कि लोग समय देखते है. बच्चों को संस्कार देना बहुत जरूरी है.

मुंबई से लौटा युवक कोरोना संक्रमित, जिले में कुल पॉजिटिव संक्रमितों की संख्या 15

अफजल आलम
न्यूज टुडे,

मोतिहारी जिला के ढ़ाका निवासी एक युवक की कोरोना जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है. जिसके बाद यहां कोरोना मरीजों को कुल संख्या बढ़कर 15 हो गई. सिविल सर्जन डॉ. रिजवान अहमद ने इसकी पुष्टि की.

मुंबई से लौटा था युवक

इस बारे में जानकारी देते हुए डॉ. रिजवान अहमद ने बताया कि कोरोना संक्रमित युवक 12 मई को मुंबई से पटना आया था. पटना के पीएमसीएच में को पॉजिटिव आई है. उसका सैंपल लेकर उसे वहीं भर्ती कर लिया गया. जिसकी जांच रिपोर्ट बुधवार को पॉजिटिव आई है.

कुल 13 एक्टिव केस

बता दें कि फेनहारा निवासी कोरोना मरीज की लगातार तीसरी रिपोर्ट नेगेटिव आई है. जिसके बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई. वह फिलहाल 14 दिनों तक होम क्वारंटीन में रहेगा. वहीं, कोरोना संक्रमित एक कैंसर पीड़ित की इलाज के दौरान मौत हो गई थी. जिले में फिलहाल कोरोना के कुल 13 एक्टिव केस हैं.

जिले में अब तक कुल 1,93,0043 लोगों की स्क्रीनिंग हुई है. जबकि 1,123 लोगों का सैंपल लिया गया. जिसमें से 972 लोगों का जांच रिपोर्ट आई है. बाकी रिपोर्ट का इंतजार है.

बिहार के मधुबनी की कहानी बड़े पर्दे पर, एक दर्दनाक कहानी पर बनी है 'बैंडिट शकुंतला'

बिहार के मधुबनी की कहानी बड़े पर्दे पर आ रही है. दरअसल चर्चित निर्देशक हैदर काजमी मधुबनी की एक दर्दनाक कहानी को लेकर फिल्म बनाई है. इस फिल्म का नाम होगा–'बैंडिट शकुंतला'. फिल्म निर्देशक हैदर काजमी की फिल्मों को इंटरनेशनल स्तर पर बहुत एक्सपोजर मिलता रहा है. हैदर अपने ही रिश्तेदारों और साथी ग्रामीणों द्वारा बलत्कृत महिला की कहानी को लेकर फिल्म बनाई है. हैदर बिहार के जहानाबाद के रहने वाले हैं और करीब दो दशकों से थिएटर, टीवी और फिल्मों में सक्रिय हैं.

गैंगरेप पीड़िता ने बदला लेने के लिए उठाया हथियार

फिल्म की सबसे बड़ी खासियतों में से एक बात यह है कि स्वयं शकुंतला देवी न केवल फिल्म में अभिनय कर रही हैं बल्कि इस फिल्म की लीड किरदार वे खुद हैं. निर्देशक ने बताया कि बिहार के जहानाबाद समेत अन्य लोकेशन पर हुई है. इस बायोपिक की पूरी शूटिंग फिल्म में चर्चित अभिनेता अभिमन्यु सिंह के अलावा, ओमकार दास मानिकपुरी (पीपली लाइव से प्रसिद्द) भी एक प्रमुख किरदार में हैं फिल्म में निर्देशक हैदर काजमी भी अभिनय कर रहे हैं . इनके अलावा रतनलाल, ललितेश, जफर काजमी और विशाल तिवारी भी महत्वपूर्ण भूमिका में हैं.

> **बिहार के मधुबनी की कहानी बड़े पर्दे पर आ रही है. दरअसल चर्चित निर्देशक हैदर काजमी मधुबनी की एक दर्दनाक कहानी को लेकर फिल्म बनाई है. इस फिल्म का नाम होगा-'बैंडिट शकुंतला'.**

वास्तविक जीवन पर बनी है फिल्म

फिल्म को लेकर अभिमन्यु ने कहा कि मैंने लगभग 3 सप्ताह तक जहानाबाद के पास के गाँव के इलाकों में शूटिंग की. यह फिल्म बिहार की शकुंतला देवी की वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित है. फिल्म के बारे में दिलचस्प बात यह है कि शकुंतला देवी खुद मुख्य किरदार में हैं, जिनके साथ काम करने का अनुभव बहुत खास रहा.

फिल्म में इन्होंने निभाई है भूमिका

अभिनेता–निर्देशक हैदर काजमी ने कहा कि मुझे यकीन है कि इस फिल्म के बाद अभिमन्यु सिंह अपने फिल्मी करियर की सबसे यादगार भूमिका निभाएंगे और दर्शकों के दिल में एक खास जगह बनाएंगे. फिल्म दर्शकों को जोड़ने का काम करेगी. आपको बता दें कि फिल्म के पीआरओ रंजन सिन्हा हैं जो बॉलीवुड इंडस्ट्री के विख्यात पीआर हैं. बैंडिट शकुंतला का निर्माण यूपीजे फिल्म्स प्रोडक्शन के बैनर तले किया गया है जिसमें प्रमुख भूमिका पिंटू कुमार, उपेंद्र कुमार और श्रवण कुमार की है. फिल्म के सह–निर्माता लियाकत गोला हैं और फिल्म की कहानी शिवराम यादव ने लिखी है. म्यूजिक अमन श्लोक का है. सिनेमोटोग्राफी जगमिंदर सिंह ने की है और संपादक बल्लू सलूजा है. इस फिल्म का फास्टलुक एएफएम यानी अमेरिकन फिल्म मार्केट में की गई जहां इसकी काफी प्रसंशा हुई.

एफडब्ल्यूआईसीई ने वर्चुअल मीटिंग में तय की शूटिंग शुरू करने की गाइड लाईन, हर सेट पर डॉक्टर, नर्स और सुपरवाइजर की नियुक्ति अनिवार्य

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,

फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लाइज (एफडब्ल्यूआईसीई) ने एक वर्चुअल मीटिंग में फिल्मों की शूटिंग को कुछ सुरक्षा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए शुरू करने पर चर्चा किया। हालांकि फिल्मों या धारावाहिको की शूटिंग जुलाई से पहले शुरू नहीं हो पायेगी। यह बैठक फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लाइज (एफडब्ल्यूआईसीई) के पदाधिकारियों की सिने एंड टीवी आर्टिस्ट एसोसिएशन– सिनटा (सीआईएनटीएए) के पदाधिकारियों के साथ हुई।

शूटिंग शुरू करने को लेकर जिन गाइडलाइन पर चर्चा हुई वो निम्नलिखित हैं:

◆सभी कलाकार अपने घर से ही मेकअप और स्टाइलिंग का काम करेंगे और सेट पर सिर्फ एक स्टाफ सदस्य के साथ ही आएंगे।

◆सभी फिल्मों के निर्माता अपनी सेट पर काम करने वाले हर एक सदस्य को 12 घंटे के शूट के दौरान चार मास्क उपलब्ध कराएंगे। ◆शूटिंग शुरू होने के 3 महीने तक सेट पर उन लोगों को काम ना करने दिया जाए जिनकी उम्र 60 साल से ऊपर है।

◆हर सेट पर डॉक्टर नर्स और सुपरवाइजर की नियुक्ति अनिवार्य

एफडब्ल्यूआईसीई के प्रेसिडेंट बी.एन. तिवारी और जनरल सेक्रेटरी अशोक दुबे तथा ट्रेजरार गंगेश्वरलाल श्रीवास्तव ने कहा कि सिंटा के साथ हमारी बैठक के बाद हमने सभी एसोसिएशंस के साथ मिलकर यह फैसला किया है कि हम फिल्मों की शूटिंग कुछ दिशा निर्देशों को ध्यान में रखते हुए ही शुरू करेंगे। हम इन नियम और कानूनों को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और श्रम मंत्रालय तथा राज्य सरकार को भेजेंगे। वही इसपर अंतिम फैसला लेंगे। फिलहाल हमारे वर्कर बिना उचित सुरक्षा के शूटिंग नहीं करेंगे।इसके लिए दो दिन बाद फिर एक बैठक आयोजित की जारही है।

इस गाइडलाइन में सभी निर्माताओं और निर्देशकों को अपने सेट पर कुछ नियमों का पालन करने का आदेश देने पर चर्चा हुई। इन निद. शों के तहत सेट पर पहुंचने वाले हर कलाकार और क्रू के सदस्य को अपनी सेहत का एक परीक्षण करवाना होगा। इस दौरान उनके शरीर का तापमान भी जांचा जाएगा। यह प्रक्रिया हर रोज दोहराई जाएगी। अगर कोई बात बिगड़ती है तो हर रोज सेट पर डॉक्टर और नर्स को भी रखने के निर्देश हैं। यह नियम शूटिंग शुरू होने के शुरुआती तीन महीने तक लागू रहेंगे।

शूटिंग शुरू होने का मोटा मोटा अंदाजा लगाते हुए एफडब्ल्यूआईसीई के प्रमुख बीएन तिवारी ने बताया की शूटिंग लगभग जुलाई तक शुरू हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'हम शूटिंग के लिए अपने किसी भी कर्मचारी की सेहत को खतरे में नहीं डाल सकते।' एफडब्ल्यूआईसीई के सचिव अशोक दुबे ने बताया कि मीटिंग में सेट पर काम करने वाले लोगों का जीवन बीमा करने की भी बात उठाई गई है।

अमीर मंदिरों से कोरोना महामारी के दौरान जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के लिए उन्हें मिले सोने का 90% दान देने का आग्रह

ई. युवराज,
मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
न्यूज टुडे मीडिया समूह

फिल्म निर्माता सुभाष घई ने सोशल मीडिया पर एक ट्वीट किया हैं और इसमें उन्होंने अमीर मंदिरों से इस महामारी के दौरान जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के लिए उन्हें मिले सोने का दान देने का आग्रह किया। वह कहता है कि वैसे भी सारा सोना भगवान के नाम पर लोगों से एकत्रित किया गया था। कोविड–19 महामारी ने पूरी दुनिया को एक साथ लॉक कर दिया है।

मानव जाति को इस कोरोना वायरस से लड़ने में मदद करने के लिए लगभग सभी राष्ट्रों द्वारा धन जुटाया जा रहा हैं। बॉलीवुड सितारे डॉक्टरों, पुलिसकर्मी, सफाई कर्मचारियों जैसे फ्रंटलाइन श्रमिकों की मदद करने के लिए आगे आ रहे हैंस उनमें से एक फिल्म निर्माता सुभाष घई ने एक प्रश्न किया हैं। फिल्म निर्माता ने अपने हालिया ट्वीट में माननीय पीएम नरेंद्र मोदी को एक प्रश्न पूछा हैं।

अपने ट्वीट में उन्होंने इस विपदा के समय के बारे में उल्लेख किया, जिसने दुनिया और हमारे देश पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। उन्होंने एक प्रश्न पूछा कि क्या सभी मंदिरों को सरकार को धनराशि दान नहीं करना चाहिए। उन्होंने अपने ट्वीट में यह भी सुझाव दिया कि इन मंदिरों को अपने 90: सोने का दान भक्तों की जरूरत के हिसाब से करने के बारे में सोचना चाहिए। फिल्म निर्माता के ट्वीट में लिखा था, 'क्या यह समय हमारे भगवान के मंदिरों का हमारी मदद करने का नहीं है? विशाल सोने के भंडार वाले सभी अमीर मंदिर सरकार को अपने सोने का 90% दान कर सकते हैं, तो गरीबों का भला हो सकता हैंस वैसे भी उन्हें यह सोना केवल भगवान के नाम पर मिला है?

फिल्म निर्माता के इस ट्वीट में हालांकि कुछ लोगों ने उनका समर्थन करते हुए चर्चों और मस्जिदों को भी इसमें शामिल करने का आग्रह किया लेकिन हमेशा की तरह कुछ ने उन्हें ट्रोल किया। मिड–डे के साथ हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म निर्माता ने लॉकडाउन के कारण फिल्म उद्योग को हुए भारी नुकसान पर अपनी राय शेयर किया था। उन्होंने कहा, 'मैं इस बात से इनकार नहीं करता कि तालाबंदी ने हमें आर्थिक रूप से प्रभावित किया है। यह हमारे लिए एक बड़ा झटका था, लेकिन हम मिलकर इसका मुकाबला करेंगे। हम सिनेमाघरों के फिर से खुलने का इंतजार कर रहे हैं और हम फिर से फिल्में रिलीज करेंगे।

Yuvaraj Media & Entertainment
बिहार विधानसभा चुनाव में डिजीटल प्रचार के लिए संपर्क करें:
Contact For Advt. (Still & Video), News: +91 9471005272, 8210595830